RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 281 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 12-05-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 तकनीक समय की तरह है, जो इसके साथ नहीं चला वह पिछड़ गया : योगी आदित्यनाथ

6 देश में अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

7 इतियाज अली के निर्देशन में निखरीं शरवरी वाघ

फर्स्ट टेक

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर 95.31 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। रुपया सोमवार को 82 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 95.31 (अस्थायी) पर आ गया। अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा खारिज करने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नागरिकों से सोना खरीदने से बचने और मितव्ययिता उपायों को अपनाने का आग्रह करने से बाजार की धारणा और कमजोर हो गई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की भारी निकासी ने रुपए पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.97 पर खुला। दिन में 94.87 से 95.34 प्रति डॉलर के बीच कारोबार करता रहा। अंत में यह अबतक के सबसे निचले स्तर 95.31 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 82 पैसे की भारी गिरावट है।

शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी की हत्या मामले में उत्तर प्रदेश से तीन गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में तीन लोगों को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में छह मई की रात हुई रथ की हत्या की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने रविवार को आरोपियों को हिरासत में लिया और बाद में गिरफ्तार कर लिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं ने मामले में डिजिटल साक्ष्यों और अंतरराज्यीय संबंधों पर नजर रखते हुए यह कार्रवाई की। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया ''यह बड़ी सफलता है।

काठमांडू में उतरते वक्त टर्किश एयरलाइंस के विमान में आग लगी

काठमांडू/भाषा। नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय टर्किश एयरलाइंस के एक विमान में आग लग गई। इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन घटना के बाद हवाई अड्डा का परिचालन करीब दो घंटे के लिए बंद करना पड़ा। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान में 277 यात्री और चालक दल के 11 सदस्य सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। यह घटना सुबह छह बजकर 36 मिनट पर हुई।

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोमनाथ/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती या दबाव में नहीं ला सकती है।

भगवान शिव के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि दुर्भाग्य से देश में ऐसी शक्तियां आज भी प्रभावी हैं, जिन्हें राष्ट्रीय स्वाभिमान से ज्यादा तुष्टीकरण जरूरी लगता है और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के विरोध के दौरान भी इसी तरह की सोच दिखाई दी थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''अगर 1947 में भारत आजाद हुआ था... तो, 1951 में सोमनाथ की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था।''

मोदी ने कहा कि सोमनाथ का 'अमृत महोत्सव' केवल अतीत का उत्सव नहीं है, यह अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा का महोत्सव भी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सोमनाथ मंदिर में 'महा पूजा' और अन्य अनुष्ठान किए। यह अनुष्ठान इस पुनर्निर्मित मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव के अंतर्गत किया गया। प्रधानमंत्री ने यहां रोड शो करने के बाद भगवान शिव को समर्पित इस मंदिर में प्रवेश किया और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 'महा पूजा' करने के साथ ही शिवलिंग पर जलाभिषेक किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 मई केवल सोमनाथ मंदिर के नए स्वरूप में प्राण प्रतिष्ठा के लिए ही नहीं, बल्कि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 1998 में आज के ही दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत ने परमाणु परीक्षण किए थे।

वीबी जी राम जी अधिनियम एक जुलाई से होगा लागु

- एक जुलाई से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम समाप्त हो जाएगा।
- ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का वैधानिक वैतनिक रोजगार देने का वादा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) के स्थान पर नया 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम एक जुलाई से पूरे देश में लागू हो जाएगा।

इसमें कहा गया है कि नए अधिनियम में एक नया ढांचा होगा जो ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का वैधानिक वैतनिक रोजगार देने का वादा करता है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एक बयान में इसे भारत की ग्रामीण विकास संरचना में एक ऐतिहासिक परिवर्तन बताया है, जो विकसित भारत 2047 की परिकल्पना के अनुरूप है।

मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, यह अधिनियम एक जुलाई से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू हो जाएगा और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम उसी दिन से समाप्त हो जाएगा।

देश में ही एआई अवसंरचना का विकास एवं संचालन हो : अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति गौतम अदाणी ने भारत से कृत्रिम मेधा (एआई) मूल्य शृंखला में स्वदेशी क्षमताएं विकसित करने का आह्वान करते हुए सोमवार को कहा कि आने वाले दशकों में ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल अवसंरचना भू-राजनीतिक शक्ति को परिभाषित करेंगे।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए अदाणी समूह के चेयरमैन ने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक विखंडन के बीच वैश्वीकरण के दशकों पुराने आधार कमजोर हो रहे हैं। उन्होंने कहा, '' उभरती दुनिया स्थिर नहीं है, बल्कि विभाजित एवं प्रतिस्पर्धी है। सेमीकंडक्टर अब शासन करने के उपकरण बन गए हैं। आंकड़ों को एक राष्ट्रीय संसाधन की तरह देखा जा रहा है। क्लाउड का हथियार की तरह इस्तेमाल हो रहा है। कृत्रिम मेधा का विकास डाटा केंद्रों की सुरक्षा दीवारों के भीतर किया जा रहा है।''

हाल के भू-राजनीतिक संघर्षों और अवसंरचना पर हमलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि '' ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल सुरक्षा अब राष्ट्रीय शक्ति के दो प्रमुख स्तंभ हैं।''

अदाणी ने कहा कि भारत को एआई को केवल सॉफ्टवेयर नहीं बल्कि ऊर्जा, डाटा केंद्र, चिप, नेटवर्क, कंप्यूट क्षमता और प्रतिभा तक फैली रणनीतिक अवसंरचना के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा, '' भारत को अपने बौद्धिक भविष्य की अवसंरचना किराए पर नहीं लेनी चाहिए। भारत को इसे अपने देश में ही बनाना, संचालित करना चाहिए और उसका स्वामित्व रखना चाहिए।''

नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार के जरिये

वैश्विक बदलाव को भारत दे रहा दिशा : भूपेंद्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि भारत नवाचार के साथ जुझारूपन, आर्थिक वृद्धि के साथ टिकाऊपन और सामाजिक समावेश के साथ विकास के मेल के जरिये वैश्विक नेतृत्व के रूप में उभरने की विशिष्ट स्थिति में है।

यादव ने यहां उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की तरफ से आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, स्टार्टअप वृद्धि और विनिर्माण के माध्यम से वैश्विक बदलाव को दिशा दे रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत अब नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। मार्च, 2026 तक भारत की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 150 गीगावाट पर पहुंच गई जबकि 2014 में यह 2.82 गीगावाट थी।'' पर्यावरण मंत्री ने कहा कि देश की लगभग 50 प्रतिशत स्थापित बिजली क्षमता अब गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से आ रही है। इस तरह भारत ने 2030 के लक्ष्य से पहले ही इसे हासिल कर लिया है।

यादव ने अगले महीने प्रस्तावित 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस समिट 2026' का उल्लेख करने के साथ कॉरपोरेट क्षेत्र से बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिए वित्तपोषण और साझेदारी बढ़ाने की अपील की।

'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' अपनी तरह का अनूठा वैश्विक मंच है, जो उन देशों को साथ लाता है जहां शेर, बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जेगुआर और प्यूमा जैसी बड़ी बिल्लियों की सात प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं।

उन्होंने कहा, आवास पुनर्स्थापन, प्रौद्योगिकी की मदद से निगरानी, सामुदायिक संरक्षण, क्षमता निर्माण और जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिए कॉरपोरेट क्षेत्र से पैसे मिलना बेहद जरूरी है।

पश्चिम एशिया युद्ध के जल्द थमने के आसार नहीं

विदेशी मुद्रा बचाने में सहयोग करें देशवासी : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध के जल्द थमने के आसार नहीं दिखने की वजह से नागरिकों से विदेशी मुद्रा भंडार को बचाकर रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया गया है।

वैष्णव ने यहां उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन में कहा कि हालिया घटनाक्रम को देखते हुए पश्चिम एशिया में संघर्षविराम अभी 'बहुत दूर' नजर आ रहा है। उन्होंने कहा, हम बहुत अनिश्चितता वाले समय में हैं। हमारी किसी गलती के बगैर, हमारे पड़ोस में दो देशों के बीच चल रहे युद्ध का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। मौजूदा स्थिति में यहां पर संघर्षविराम होना दूर लगता है।

इससे एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों का पश्चिम एशिया संघर्ष से उपजी चुनौतियों से निपटने में सहयोग करने का आह्वान किया था। उन्होंने पेट्रोल-डीजल के समझदारी से इस्तेमाल और किसी भी तरह से विदेशी मुद्रा बचाने पर जोर दिया।

वैष्णव ने कहा कि संकट की इस घड़ी में नागरिकों को भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने कहा, हम नागरिकों के रूप में अपने जीवन और कामकाज में ऐसे उपाय पहचान सकते हैं, जिनसे विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। साथ ही हमें विदेशी मुद्रा अर्जित करने के प्रयास भी बढ़ाने चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से मेट्रो रेल के उपयोग, कार पूलिंग, इलेक्ट्रिक वाहन के अधिक इस्तेमाल, पार्सल भेजने के लिए रेलवे सेवाओं को प्राथमिकता देने और संभव होने पर 'घर से काम करने' जैसे कदम उठाने का सुझाव दिया है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पर उपदेश...

सोना नहीं खरीदो भाई,
फिरते चारों और लुटेरे।
तेल बचाओ तिल तिल जलकर,
करो परिश्रम के पगफेरे।
ज्ञान उजाले का वे देते,
जिनके तले सदा अंधेरे।
उनके मन की बातें लगतीं,
पर उपदेश कुशल बहुतेरे।।

अब देश चलाना प्रधानमंत्री मोदी के बस की बात नहीं रही : कांग्रेस

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि जब ग़रीबी में आटा गीला हो रहा है तब प्रधानमंत्री मोदी देश को बचत करने का पाठ पढ़ा रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बचत की अपील करके अपनी नाकामी का सबूत दिया है तथा अब देश चलाना एक ''कम्प्रोमाइज्ड'' प्रधानमंत्री के बस की बात नहीं है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री हर बार ज़िम्मेदारी जनता पर डाल देते हैं ताकि ख़ुद जवाबदेही से बच निकलें।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' मोदी जी ने कल जनता से त्याग की मांग की कि सोना मत ख़रीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल का कम उपयोग करो, खाद और खाने का तेल कम उपयोग करो, मेट्रो में चलो, घर से काम करो। उन्होंने दावा किया कि ये उपदेश नहीं बल्कि नाकामी के सबूत हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 12 साल में देश को इस मुक़ाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है कि क्या ख़रीदें, क्या न ख़रीदें, कहां जाएं, कहां न जाएं। हर बार ज़िम्मेदारी जनता पर डाल देते हैं ताकि ख़ुद जवाबदेही से बच निकलें। उन्होंने यह दावा भी किया कि देश चलाना अब ''कम्प्रोमाइज्ड पीएम'' के बस की बात नहीं रही।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाय कि जब ग़रीबी में आटा गीला हो रहा है तब प्रधानमंत्री मोदी देश को बचत करने का पाठ पढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 28 फ़रवरी को पश्चिम एशिया में युद्ध आरंभ होने के बाद इसके असर के विभिन्न पहलुओं के बारे में कांग्रेस ने आगाह किया था, लेकिन प्रधानमंत्री चुनावी प्रचार में मशगूल थे।

खरगे ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री इस दौरान रोडशो क्यों कर रहे थे? उनका कहना है, ''अब जब चुनाव ख़त्म हैं तो देश को उपदेश दिया जा रहा है।''

कांगेस अध्यक्ष ने कहा, ''अपनी 12 वर्षों की नाकामी का ठीकरा, देश की जनता पर मत फोड़िये, मोदी जी। गोस्वामी तुलसीदास जी ने सही कहा है: पर उपदेश कुशल बहुतेरे...।''

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अप्रत्याशित अपील का मतलब यह हो सकता है कि आने वाले समय में मितव्ययिता से जुड़े कठोर कदम उठाए जाएं।

केवल मंदिरों की दीवारों के भीतर नहीं, बल्कि खुद भारत की चेतना में बसता है सनातन

भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक पहचान को नष्ट करने के प्रयास में नाकाम रहे 'विदेशी आक्रांता' : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि 'विदेशी आक्रांता' भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नष्ट करने के प्रयास में नाकाम रहे, क्योंकि सनातन भारत की चेतना में बसता है और इसे मिटाया नहीं जा सकता।

योगी ने 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत वाराणसी में आयोजित 'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' को संबोधित करते हुए कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने सनातन को खत्म करने की कोशिश की, लेकिन वे भारत की आत्मा को तोड़ नहीं सके। उन्होंने कहा, मोहम्मद गोरी से लेकर मुगलों तक कई विदेशी आक्रांताओं ने हमारी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नष्ट करने की कोशिश की।

योगी ने कहा, औरंगजेब ने बाबा विश्वनाथ के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर दिया और यहां गुलामी का प्रतीक एक ढांचा खड़ा कर दिया, लेकिन वह भारत की आत्मा को तोड़ नहीं सका। वह यह नहीं समझ सका कि सनातन केवल मंदिरों की दीवारों के भीतर नहीं, बल्कि खुद भारत की चेतना में बसता है। भारत अपनी आत्मा को शाश्वत और अमर मानता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने सनातन को मिटाने की कोशिश की, वे खुद ही धूल में मिल गए और आज उन आक्रांताओं को कोई याद नहीं करता, लेकिन काशी विश्वनाथ धाम और सोमनाथ मंदिर भारत के स्वाभिमान की गाथा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भी ऐसी ताकतें मौजूद हैं, जो भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों के पुनरुत्थान का विरोध करती हैं।

योगी ने किसी भी राजनीतिक दल या नेता का नाम लिए बगैर आरोप लगाया कि जिन लोगों ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विरोध किया था, उन्हीं लोगों ने बाद में अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में भी बाधाएं खड़ी कीं। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि सोमनाथ महादेव मंदिर की पुनर्स्थापना कार्यक्रम के दौरान किन लोगों ने बाधाएं खड़ी थीं। ये वही लोग थे, जिन्होंने बाद में राम मंदिर के निर्माण और इस मुद्दे के समाधान में बार-बार अड़चन डालने की कोशिश की।

योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के दृष्टिकोण की ओर ले जाने और पूरे भारत में प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों के पुनरुद्धार का नेतृत्व करने का श्रेय दिया। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार भी जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' भारत की सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक परंपरा के पुनरुत्थान का एक स्पष्ट आह्वान और देश को उसकी जड़ों से फिर से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है।

मातृ दिवस पर 80 वर्ष की आयु से अधिक वाली माताओं का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा रविवार को मातृ दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मलयप्रभसागरजी और साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने निश्रा प्रदान की। मलयप्रभजी ने कहा कि मां की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती।

मां ही हमें जन्म के पश्चात संस्कार प्रदान करती है। साध्वीजी ने कहा कि यह दिवस हमारी संस्कृति में तो नहीं है। फिर भी उन्होंने अपनी मां के उपकारों को याद करते हुए बचपन के अनेक संस्मरण सुनाए जिससे उनकी धर्म के प्रति रुचि और आस्था सुदृढ़ हुई। अध्यक्षा पवनी बाफना ने सभी का स्वागत किया। प्रचार प्रसार संयोजक चन्दू डाकलिया ने बताया कि मदर्स डे के उपलक्ष्य में संस्था की ओर से 80 वर्ष की आयु से अधिक माता लब्धिदेवी पारख, कृष्णादेवी रतनपुरा, शांतिदेवी गुलेच्छा, बादामीदेवी गुलेच्छा, सुमतिदेवी पोमानी का विशेष सम्मान लाभार्थी सरोज गुलेच्छा, सलाहकार गुलाबदेवी मेहता, मंजु गुलेच्छा द्वारा किया गया।

पैसों से नहीं, प्रेम से तोलना होता है परिवार को : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बल्लारी। बल्लारी फोर्ट क्षेत्र में आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी के सान्निध्य में आयोजित त्रिदिवसीय महोत्सव में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए संतश्री ने कहा कि मकान और घर, दोनों में गहरा अंतर होता है। इस्पात, ईंट, पत्थर और सीमेंट से बनता है मकान, लेकिन सुख-शांति और प्रेम से जिस मकान में लोग सुकून की जिंदगी जीते हैं, वह होता है घर्। उस घर में खुशियों का आशियाना, प्रेरणाओं की पाठशाला और अपनों का बसेरा होता है। दिन भर के परिश्रम से थका-हारा आदमी जब घर आकर राहत की सांस लेता है तो जीवन के बेहतरीन पल वो जीता है। मजबूरियों का मारा एक व्यक्ति कड़ी मेहनत-मजदूरी कर किराए के मकान में पूरी जिंदगी गुजार देता है। उसके नसीब इतने कमजोर होते हैं कि उसे कभी अपनी मालिकी का मकान नहीं मिलता। ऐसे लोग भी जब आपसी सद्भाव और प्रेम से रहते हैं तो दुनिया में खुद के स्वामित्व के आशियाने का न होना उन्हें अखरता नहीं्। वे किराये के मकान में, कम सुविधाओं के बीच भी संतोष और शांति की जिंदगी जी लेते हैं।ङ्कङ्कमहोत्सव में आचार्य विमलसागरजी ने मंगल कलश की स्थापना करते हुए कहा कि आपसी स्नेह, सद्भाव, सम्मान और संस्कारों से युक्त घर-परिवार ही जीवन की अमूल्य संपदा है। ऐसा जीवन अपने आप में मंगलमय है। दुनिया के सभी मंगल प्रतीकों और मंगल मंत्रों को एकत्रित करके भी उस मंगलमय जीवन की होड़ नहीं की जा सकती। मन को सुसंस्कारित करके ही हम अपने जीवन की सुख-शांति का प्रबंध कर सकते हैं। आज लोग परिवार को प्रेम से नहीं, पैसों से तोलते हैं। यही वजह है कि हमारे देश की संयुक्त परिवार की गौरवशाली परंपरा टूटती जा रही है। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि सोमवार को भक्तिसंगीत के साथ स्नात्र महोत्सव किया गया। फिर शुभ मुहूर्त में शांतिपाठ के साथ मंगल कलश और अखंड ज्योत की स्थापना की गई। कुमारिकाओं ने मंत्रोच्चार पूर्वक जवारारोपण किया। तत्पश्चात माणिभद्र देव, घंटाकर्ण वीर, क्षेत्रपाल और सरस्वती की स्थापना हुई। विविध मंत्रों के द्वारा हवन विधान किया गया। श्रद्धालुओं ने कुंड में आहुतियां देकर सकल मंगल की कामना की। आरती और चैत्यवंदना के साथ महोत्सव का प्रथम चरण सम्पन्न हुआ्। सायंकाल को सामूहिक साझी गीतों का मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ्।

सरकार से आईटी क्षेत्र के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' को अनिवार्य करने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारियों के संगठन एनआईटीईएस ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय से एक परामर्श जारी करने का आग्रह किया है, जिसमें आईटी और आईटीईएस क्षेत्रों के लिए जहां भी संभव हो, 'वर्क फ्रॉम होम' अनिवार्य करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

यह मांग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पश्चिम एशिया में युद्ध के प्रतिकूल प्रभावों से बचने के लिए हाल ही में कुछ विशेष उपाय करने के आह्वान के बाद की गई।

मंत्रालय को सौंपे गए एक औपचारिक प्रतिवेदन में नैसेंट इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने कहा कि लाखों आईटी पेशेवरों के दैनिक आवागमन को कम करने से ईंधन संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण सहित राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

एनआईटीईएस के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सलूजा ने कहा, ''भारतीय आईटी क्षेत्र ने कोविड-19 महामारी के दौरान उत्पादकता या व्यावसायिक निरंतरता में बाधा डाले बिना बड़े पैमाने पर वर्क फ्रॉम होम को सफलतापूर्वक लागू किया था। इस क्षेत्र में दूर से काम करके राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का समर्थन करने के लिए बुनियादी ढांचा और क्षमता दोनों मौजूद हैं।''

संगठन ने कहा कि घर से काम करने से न केवल अनावश्यक यात्रा और ट्रैफिक जाम में कमी आएगी, बल्कि कर्मचारियों का स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। साथ ही डिजिटल संचालन व आर्थिक गतिविधियां बिना किसी रुकावट के जारी रहेंगी।

दूसरी ओर, आईटी उद्योग की संस्था नैसकॉम ने सोमवार को कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियां घर से या मिलेजुले रूप से काम करने सहित विवेकपूर्ण प्रबंधन उपाय अपना रही हैं। संस्था ने एक बयान में कहा कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र स्थापित हाइब्रिड वर्क मॉडल पर काम कर रही हैं।

गुरु सत्यज्वाला की निश्रा में कांटेड़ परिवार द्वारा पंचतीर्थ यात्रा आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माता संजीवनी ज्वालामालिनी के परम भक्त गुरु सत्यज्वालाजी की निश्रा व सोनाणा खेतला के भक्त दिलीप सोनी की उपस्थिति में मां पद्मावती मित्र मंडल द्वारा शहर के कमनहल्ली निवासी इंदरचंद काटेड़ परिवार के सौजन्य से पंचतीर्थ यात्रा संघ का प्रयाण शुक्रवार को गणेश बाग से हुआ्। इस यात्रा संघ में शामिल 108 श्रावक श्राविकाएं अरसीकेरे तीर्थ, बिरुर के विमलनाथ दादा, स्वर्ण मंदिर, हुमचा के पार्श्व-पद्मावती, एनआरपुरा में चन्द्रप्रभु ज्वालामलिनी एवं कारकल स्थित दक्षिण पावापुरी के दर्शन कर सोमवार को बेंगलूरु वापस पहुंचे। श्रद्धालुओं ने सभी तीर्थों में भक्ति के साथ श्रद्धा से पूजा की। बिरुर आराधना भवन में संतों के सान्निध्य में अतिथियों व संघ लाभार्थी कांटेड़ परिवार का सम्मान किया गया। इस सम्मान समारोह के दौरान अरसीकेरे के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बीएन विद्याधर ने गुरु सत्यज्वालाजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। एनआर पुरा ज्वालामलिनी तीर्थ में लक्ष्मीसेन भट्टारक ने ज्वालामालिनी देवी की महिमा का वर्णन करते जैन समाज के इतिहास पर प्रकाश डाला। समारोह में हीरालाल, प्रकाश, मांगीलाल कांटेड़ सहित परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित थे। सम्मान समारोह में संघपति इन्दरचन्द कांटेड़ ने संचालन करते हुए सभी यात्रियों व संतों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विकास परियोजनाओं को रोकने के लिए याचिकाएं दायर करने की प्रवृत्ति निंदनीय : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने विकास परियोजनाओं को रोकने के लिए याचिकाएं दायर करने की प्रवृत्ति की निंदा करते हुए सोमवार को पूछा कि अगर ऐसी याचिकाएं दायर की जाती रहीं, तो देश कैसे प्रगति करेगा।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, हमें इस देश में एक भी ऐसी परियोजना दिखाएं, जहां इन तथाकथित पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने कहा हो कि हम इस परियोजना का स्वागत करते हैं। ये टिप्पणियां उस पीठ की ओर से आईं, जो राष्ट्रीय हरित अधिकरण की पश्चिमी क्षेत्र की पीठ के एक आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अधिकरण ने गुजरात में पिपावा बंदरगाह के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए दी गई पर्यावरण और तटीय विनियमन क्षेत्र की मंजूरी को रद्द करने की मांग वाली अपील को खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की, इस देश में जिस तरह की याचिकाएं दायर की जा रही हैं, उनका मकसद सिर्फ विकास को रोकना है। यही समस्या है। देश प्रगति कैसे करेगा?पीठ ने हालांकि, स्पष्ट किया कि अदालतें हमेशा से ही पर्यावरण संबंधी मुद्दों को लेकर चिंतित रही हैं और पर्यावरण को प्रभावित करने वाली किसी भी चीज की आलोचना करती हैं। याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा कि एनजीटी ने इस मामले में बहुत विस्तृत आदेश पारित किया है।

सेंसेक्स 1,313 अंक टूटा, प्रधानमंत्री की मितव्ययिता की अपील से निवेशक चिंतित

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और बीएसई सेंसक्स 1,313 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के नीचे आ गया। अमेरिका और ईरान के शांति समझौते पर पहुंचने में नाकाम रहने के बाद कच्चे तेल के दाम में तेजी के बीच बाजार में गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,312.91 अंक यानी 1.70 प्रतिशत टूटकर 76,015.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,370.79 अंक तक लुढ़क गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 360.30 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,815.85 अंक पर बंद हुआ। पिछले बृहस्पतिवार से शुरू तीन कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स लगभग 1,950 अंक यानी 2.5 प्रतिशत टूटा है जबकि निफ्टी 515 अंक यानी दो प्रतिशत से अधिक के नुकसान में रहा। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नए शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। इससे पश्चिम एशिया में संकट दूर करने के लिए राजनयिक सफलता की उम्मीद फिलहाल कमजोर हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मितव्ययिता की अपील ने विदेशी मुद्रा भंडार, ईंधन की कीमतों और उपभोग के दृष्टिकोण को लेकर निवेशकों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाइटन के शेयर में सबसे ज्यादा सात प्रतिशत की गिरावट आई। इंटरग्लोब एविएशन, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल, इटर्नल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी भारी गिरावट देखी गई।

सरकार जलाशयों में सौर पैनल स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन देने पर कर रही विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा सचिव संतोष सारंगी ने सोमवार को कहा कि सरकार नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को पूरे देश में बढ़ाने के लिए फ्लोटिंग यानी जलाशयों में लगने वाले सोलर पैनल को प्रोत्साहन देने पर विचार कर रही है।

सारंगी ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के सालाना व्यापार शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत ने जो ऊर्जा बदलाव की परिकल्पना की है, उसमें सस्ती बिजली, उपलब्धता और पर्यावरण अनुकूल पहल पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के अनुमान के अनुसार, 2050 तक हमें 1,800 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा और लगभग 2,000 गीगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएस) की आवश्यकता होगी।

सारंगी ने कहा कि नीतिगत विकल्पों को खुला रखते हुए और नवीकरणीय ऊर्जा को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने वाली योजनाओं को तैयार करना ही आगे का रास्ता होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना का विकेंद्रीकरण किया जाना चाहिए। ये संयंत्र अभी केवल राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में ही लगाये जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के गांदेरबल में बिजली गिरने से 90 भेड़ों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के गांदेरबल जिले के ऊपरी इलाकों में चारागाह पर आकाशीय बिजली गिरने से कम से कम 90 भेड़ों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, रविवार रात गांदेरबल जिले के कंगन क्षेत्र के पोशकर स्थित मैदान में आकाशीय बिजली गिरी, जिससे करीब 90 भेड़ों की मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि ये भेड़ें खानाबदोश चरवाहों के एक परिवार की थीं, जो अपने पशुओं को चराने के लिए सोनमर्ग क्षेत्र की ओर ले जा रहे थे।

कश्मीर के कुछ इलाकों में रविवार रात तेज हवाओं और रुक-रुक कर हुई बारिश से मकानों और फसलों को भी नुकसान पहुंचा है।

गेहूं का उत्पादन पिछले साल से अधिक रहेगा : कृषि मंत्री चौहान

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण हुए स्थानीय नुकसान के बावजूद चालू फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में देश का गेहूं उत्पादन, पिछले साल के 11 करोड़ 79.4 लाख टन को स्तर को लांघ जाने की संभावना है।

चौहान ने कहा, ''हमारा मानना है कि गेहूं का उत्पादन पिछले साल से बेहतर होगा।'' उन्होंने कहा कि फसल अच्छी है और रिकॉर्ड खरीद होगी। मुख्य रबी (सर्दियों) की फसल-गेहूं की कटाई - प्रमुख उत्पादक राज्यों में लगभग पूरी हो चुकी है। इसकी खरीद जोरों पर है। कृषि मंत्रालय ने बेमौसम बारिश से पहले 2025-26 में 12 करोड़ 2.1 लाख टन गेहूं उत्पादन का अनुमान लगाया था, जो पिछले साल के उत्पादन से अधिक है। हालांकि, आरएफएफआई ने 14 अप्रैल को अनुमान लगाया था कि हाल के मौसम की क्षति को ध्यान में रखते हुए उत्पादन में मामूली गिरावट आएगी।

जी राम जी अधिनियम को लागू करने की घोषणा सुर्खियां बटोरने की कवायद : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मनरेगा के स्थान पर लाए गए 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' के लागू करने को घोषणा को सोमवार को 'सुर्खियां बटोरने की कवायद' करार दिया और आरोप लगाया कि ग्रामीण भारतीय परिवारों के काम करने के संवैधानिक अधिकार की चोरी की जा रही है। केंद्र सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) के स्थान पर नया 'विकसित भारत- रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम एक जुलाई से पूरे देश में लागू हो जाएगा।

इसमें कहा गया है कि नए अधिनियम में एक नया ढांचा होगा जो ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का वैधानिक वैतनिक रोजगार देने का वादा करता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से आज की प्रेस विज्ञप्ति में कुछ ऐसा नहीं है जो पहले ज्ञात न हो। यह उस सरकार द्वारा सुर्खियां बटोरने की एक और कवायद है जो इस तरह की कवायदों में माहिर है। यह कहने के अलावा कोई विवरण सामने नहीं आया है कि उन्हें जल्द ही जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि मनरेगा के स्थान पर लाए गए कानून को एक जुलाई, 2026 से लागू किया जाना है, तो सभी परिचालन विवरण अब तक उपलब्ध होने चाहिए थे।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने बंडी संजय के बेटे के खिलाफ पॉक्सो मामले में गहन जांच के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को डीजीपी सी.वी. आनंद को निर्देश दिया कि वह केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामले की गहन जांच के लिए विशेष टीमें गठित करें। केंद्रीय मंत्री के बेटे पर एक नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से स्पष्टीकरण मांगा कि आठ मई को शिकायत दर्ज होने के बावजूद कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। खबरों के मुताबिक, डीजीपी ने बताया कि पुलिस अधिकारी और कर्मी 10 मई को प्रधानमंत्री की हैदराबाद यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था में व्यस्त थे। रेड्डी ने आनंद को निर्देश दिया कि केंद्रीय मंत्री के बेटे के खिलाफ पेट बशीरबाद पुलिस थाने में दर्ज मामले की जांच तुरंत शुरू की जाए। यह मामला 17 वर्षीय लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद दर्ज किया था - हालांकि आरोपी ने इस आरोप से इनकार किया है और बदले में आरोप लगाने वाली लड़की और उसके माता-पिता पर जबरन वसूली करने तथा आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाया है।

उमर अब्दुल्ला ने की अमित शाह से मुलाकात

केंद्र शासित प्रदेश के लिए राज्य के दर्जे पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने केंद्र शासित प्रदेश से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होने से पहले, मुख्यमंत्री ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा कि वह जम्मू और कश्मीर से संबंधित सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा, काश गृह मंत्री से एक ही मुलाकात में हमें राज्य का दर्जा मिल जाता। अगर ऐसा होता तो हमें बहुत पहले ही मिल गया होता। लेकिन हां, मैं बैठक में जम्मू-कश्मीर से संबंधित राज्य के दर्जे और अन्य मुद्दे जरूर उठाऊंगा। अब्दुल्ला ने यह भी कहा था कि सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों के दौरान उपराज्यपाल को दूरसंचार संबंधित अधिकार देने में कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि सुरक्षा और कानून व्यवस्था का प्रभार उन्हीं के पास है।

अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा, ''यह सही कदम है। ये अधिकार उपराज्यपाल के पास होने चाहिए। यह न तो व्यापार नियमों के विरुद्ध है और न ही पुनर्गठन अधिनियम के खिलाफ हैं।'' उन्होंने कहा कि फोन सेवाओं या इंटरनेट को बंद करने के आदेश गृह विभाग द्वारा जारी किए जाते हैं, जो उपराज्यपाल के अधीन आता है।

केंद्र ने पिछले सप्ताह जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल को सार्वजनिक सुरक्षा की घटनाओं या राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में दूरसंचार सेवाओं से संबंधित शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अधिकृत किया है, जैसे कि सिग्नल को रोकना, सेवा को निलंबित करना आदि।

मौजूदा परिदृश्य में भारतीय उद्योग कारोबार के रणनीतिक पुनर्संयोजन पर ध्यान दे: शक्तिकांत दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव शक्तिकांत दास ने सोमवार को भारतीय उद्योग को मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में अपने कारोबार के रणनीतिक पुनर्संयोजन का सुझाव देते हुए कहा कि आपूर्ति के एक ही स्रोत पर निर्भरता घटाकर आपूर्ति शृंखला में विविधता लानी चाहिए।

दास ने उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन में कहा कि वैश्विक सुस्ती और भू-राजनीतिक तनाव के दौर में सीमित बाजारों या भौगोलिक क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भरता से खासकर निर्यातकों के लिए जोखिम बढ़ता है। बाजार में विविधता लाने से जोखिम का बंटवारा होगा, राजस्व स्थिर रहेगा और कंपनियों को वृद्धि के नए क्षेत्रों

और मांग के अवसर मिलेंगे। दास ने कहा, भू-आर्थिक विखंडन और आपूर्ति शृंखला में व्यवधान के इस दौर में भारतीय उद्योग के लिए अपने कारोबार का रणनीतिक पुनर्संयोजन करना जरूरी हो गया है, क्योंकि 'कॉर्नर सॉल्यूशन' मॉडल अब कम प्रभावी होता जा रहा है। 'कॉर्नर सॉल्यूशन' का मतलब उत्पादन या आपूर्ति के लिए किसी एक ही स्रोत पर अत्यधिक निर्भर रहना है। इसमें आपूर्ति शृंखला का 'जस्ट-इन-टाइम' मॉडल भी शामिल होता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संदर्भ में कॉरपोरेट जगत के लिए अपनी लागत न्यूनतम रखने के बजाय 'जुझारूपन को अधिकतम करना' अब प्राथमिकता बनती जा रही है, जो लंबी अवधि में अधिक लाभकारी साबित हो सकती है। दास ने कहा कि सरकार ने मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर, बुनियादी ढांचे पर बढ़ते पूंजीगत व्यय और विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते जैसे कई कदम उठाए हैं तथा सुधारों को लेकर कोई ढिलाई नहीं बरती जा रही है।

सिद्दरामय्या का पीएम मोदी पर तीखा हमला

प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुँचा रहे हैं नरेंद्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेंगलूरु भाषण पर पलटवार करते हुए उन पर कड़ा प्रहार किया है। मुख्यमंत्री ने एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रधानमंत्री के भाषण के स्तर, केंद्र की आर्थिक नीतियों और भाजपा की आंतरिक कलह को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सिद्दरामय्या ने कहा कि पीएम मोदी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे बेंगलूरु में देश के प्रधानमंत्री के तौर पर बोल रहे थे या राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में। उन्होंने कहा, नेहरू, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान प्रधानमंत्रियों ने कभी भी 'सड़क-छाप' भाषणों के स्तर तक खुद को नहीं गिराया। मोदी जी अपने नफरत और ईर्ष्या भरे भाषणों से पद की गरिमा को नष्ट कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के दावों पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ सरकार विकास का ढिंढोरा पीट रही है, वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री लोगों से सोना न खरीदने, पेट्रोल-डीजल कम इस्तेमाल करने और खाद का उपयोग घटाने की गुहार लगा रहे हैं। उन्होंने कर्नाटक और भारत के आर्थिक आंकड़ों की तुलना करते हुए केंद्र को आईना दिखाया। सिद्दरामय्या ने सवाल किया, मोदी जी, विकास के और क्या सबूत चाहिए? अगली बार आरोप लगाने से पहले होमवर्क

करके आएं। देश में बढ़ती महंगाई (पेट्रोल, डीजल, गैस) के लिए मुख्यमंत्री ने केंद्र की 'भ्रमित विदेश नीति' को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि भारत आज ईरान, इज़रायल और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के संकट में फँस गया है। अगर भारत ने न्याय और नैतिकता के पक्ष में मजबूत स्टैंड लिया होता, तो आज देश को यह आर्थिक कठिनाई नहीं झेलनी पड़ती।

कर्नाटक भाजपा की आंतरिक स्थिति पर कटाक्ष करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य भाजपा की हालत 'टोकरी में फँसे केकड़ों' जैसी हो गई है, जहाँ हर कोई एक-दूसरे की टांग खींच रहा है। तथाकथित '56 इंच की छाती' वाले नेता में येडीयुरप्पा और उनके परिवार के खिलाफ बोलने वाले गुटों पर कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं है। प्रधानमंत्री जी, हमारे बारे में बात करने से पहले अपना ढहता हुआ घर संभालें। कांग्रेस पर 'धोखे' के आरोपों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री ने उन क्षेत्रीय दलों (शिवसेना, अकाली दल, पीडीपी आदि) की लंबी सूची गिनाई, जिन्हें भाजपा ने गठबंधन के नाम पर धोखा दिया। उन्होंने कहा कि देश मोदी के इस विरोधाभास पर हँस रहा है।

आम मेला

पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (सेक्युलर) प्रमुख एच.डी. देवेगौड़ा सोमवार को बेंगलूरु के कब्बन पार्क में मैंगो मेले में आम देखते हुए।

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में बम विस्फोट करने की धमकी देने वाला पुलिस हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बेंगलूरु यात्रा के दौरान बम की धमकी के कारण सुरक्षा संबंधी चिंता पैदा होने के एक दिन बाद, शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने सोमवार को कहा कि यह धमकी फर्जी थी और तकनीकी निगरानी का उपयोग करते हुए आरोपी को एक घंटे के भीतर हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह करीब 8.29 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस नियंत्रण कक्ष में फोन कर दावा किया कि उसने कनकपुरा रोड स्थित आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन परिसर के पास बम लगाया है, जहां प्रधानमंत्री मोदी को एक कार्यक्रम में शामिल होना था। फोन करने वाले ने विस्फोटक उपकरण में विस्फोट करने की धमकी भी दी थी। धमकी भरे फोन कॉल की सूचना तुरंत कोरमंगला पुलिस थाने को दी गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि फोन कोरमंगला स्थित केएचबी कॉलोनी क्षेत्र से किया गया था।

पुलिस आयुक्त ने संवाददाताओं को बताया कि रविवार सुबह शहर के पुलिस नियंत्रण कक्ष को यह धमकी भरा फोन कॉल मिला था, जिसमें कॉल करने वाले ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री की यात्रा के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था वाले इलाके में विस्फोटक लगाया गया है। उन्होंने कहा कि धमकी भरा फोन कॉल करने के बाद आरोपी ने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया था, लेकिन पुलिस टीमों ने तकनीकी निगरानी के जरिए उसकी लोकेशन का पता लगाकर एक घंटे के भीतर उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि दक्षिण-पूर्व डिवीजन, केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) और अन्य पुलिस इकाइयों के कर्मी मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''झूठी सूचना देना, धमकी देना और फर्जी कॉल करना गंभीर अपराध है तथा इस संबंध में कार्रवाई की जा रही है।'' प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी को विभिन्न स्थानों पर मोबाइल फोन के जरिए इस तरह के कॉल और धमकी भरे संदेश भेजने की आदत थी। पुलिस इस कृत्य के पीछे के मकसद की भी जांच कर रही है। सिंह ने कहा, ''फिलहाल यह एक फर्जी कॉल प्रतीत होती है।'' आरोपी की मानसिक स्थिति से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि चिकित्सक उसकी जांच करेंगे और पुलिस उन रिकॉर्ड की भी पड़ताल कर रही है, जिनसे संकेत मिलता है कि वह पहले उपचार करा चुका हो सकता है। उन्होंने कहा, ''हम संबंधित चिकित्सकों से विवरण की पुष्टि करेंगे और उसके पुराने रिकॉर्ड की जांच करेंगे। इसी उद्देश्य से उसे जांच के तहत पुलिस हिरासत में रखा गया है।'' पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

यशवंतपुर और उधना के बीच विशेष ट्रेन

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे गर्मियों के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए यशवंतपुर जंक्शन और उधना के बीच एक तरफ़ा विशेष एक्सप्रेस ट्रेन चलाएगा। ट्रेन संख्या 06577 यशवंतपुर-उधना वन-वे एक्सप्रेस स्पेशल बुधवार, 13.05.2026 को 12.00 बजे यशवंतपुर से रवाना होगी और अगले दिन 16.30 बजे उधना पहुंचेगी। रास्ते में, यह ट्रेन तुमकुरु, अरसीकेरे, दावणगेरे, एसएमएम हावेरी, एसएसएस हुब्बल्ली, धारवाड़, लोंडा, बेलगावी, रायबाग, मिराज, सांगली, सतारा, पुणे, लोनावाला, कल्याण और वसई रोड स्टेशनों पर रुकेगी। इस विशेष ट्रेन में 18 स्लीपर क्लास कोच, 02 जनरल सेकंड क्लास कोच और 02 सेकंड क्लास-सह-सामान-सह-ब्रेक वैन और दिव्यांगों के लिए अनुकूल डिब्बे होंगे, इस तरह कुल 22 कोच होंगे।

केनरा बैंक का चौथी तिमाही का मुनाफा 10 प्रतिशत घटकर 4,506 करोड़ रुपये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने सोमवार का मार्च में समाप्त तिमाही के दौरान एकल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 10 प्रतिशत घटकर 4,506 करोड़ रुपये रहा है। बेंगलूरु मुख्यालय वाले इस बैंक ने एक साल पहले की समान तिमाही में 5,002.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

केनरा बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि जनवरी-मार्च, 2026 में उसकी कुल आय भी 1.85 प्रतिशत घटकर 36,662 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 37,353 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) लगभग चार प्रतिशत बढ़कर 9,808 करोड़ रुपये रही, जो पहले 9,442 करोड़ रुपये थी।

संपत्ति की गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए) या फंसे हुए कर्ज में सुधार हुआ है। मार्च, 2026 के अंत में यह कुल अग्रिम का 1.84 प्रतिशत रहा, जबकि मार्च, 2025 के अंत में यह 2.94 प्रतिशत था। बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 4.20 रुपये के लाभांश की सिफारिश की है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 12.7 प्रतिशत बढ़कर 19,187 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कुल आय 1,42,208 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,53,204 करोड़ रुपये हो गई।

सुधाकर न केवल पार्टी, पूरे राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्ग। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और कर्नाटक के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सोमवार को मंत्री डी.सुधाकर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह न केवल पार्टी बल्कि पूरे राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे। योजना एवं सांख्यिकी मंत्री सुधाकर का रविवार तड़के बेंगलूरु के कृष्णा आयुर्विज्ञान संस्थान में निधन हो गया। उनका पिछले दो महीनों से फेफड़ों के संक्रमण का इलाज किया जा रहा था।

सुरजेवाला ने कहा, हम सभी आज अपने मित्र, सहयोगी, कैबिनेट मंत्री, समर्पित कांग्रेसी और हमेशा मुस्कुराने वाली शख्सियत सुधाकर के परिवार के प्रति संवेदना

व्यक्त करने के लिए यहां मौजूद हैं। वह न केवल कांग्रेस पार्टी, न सिर्फ जिले या अपने विधानसभा क्षेत्र, बल्कि पूरे राज्य के लिए मूल्यवान व्यक्ति थे। बाद में, उन्होंने संवाददाताओं से कहा, उनका सौम्य स्वभाव, उनके चेहरे पर हमेशा रहने वाली मुस्कान, जमीनी कार्यकर्ताओं से उनका जुड़ाव, कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के प्रति उनकी निष्ठा और गरीबों, दलितों तथा आम लोगों के हित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने सुधाकर को सभी का प्रिय बनाया। इसीलिए लोगों ने उन्हें बार-बार चुना।

उन्होंने कहा कि सुधाकर ने यह साबित कर दिया कि यदि आप जनता की सही सेवा करते हैं तो समुदाय, जाति और धर्म का कोई महत्व नहीं है।

सुरजेवाला ने कहा, वह (सुधाकर) इसका साक्षात उदाहरण थे। उन्होंने जाति या धर्म की बाधाओं को तोड़कर चुनाव जीता। वे हमेशा हमारी यादों में जीवित रहेंगे। हम सभी उनके लिए प्रार्थना करेंगे और उनके परिवार को शक्ति प्रदान करेंगे। सुधाकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और चित्रदुर्गा जिले के हिरियूर से विधायक थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जैन रीति-रिवाजों के अनुसार आज चेल्लाकेरे में सुधाकर का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, राज्य सरकार के कई मंत्री और कांग्रेस नेताओं के इस अवसर पर मौजूद रहने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने सोमवार को चित्रदुर्ग जिले में स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित किया है। दिवंगत नेता के सम्मान में रविवार से शुरू होकर तीन दिनों तक पूरे राज्य में राजकीय शोक घोषित किया गया है।

मणिपुर की महिला ने नियोक्ताओं पर मारपीट का लगाया आरोप, प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मणिपुर की 23-वर्षीय एक महिला ने आरोप लगाया है कि स्थानीय आईआईएम परिसर में उसके नियोक्ताओं द्वारा कई मौकों पर उसका उत्पीड़न किया गया और मारपीट की गई। यह जानकारी पुलिस ने सोमवार को दी। पुलिस ने बताया कि कथित अपराध एक जून, 2021 और चार मई, 2026 के बीच हुए। पुलिस के अनुसार, महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि वह लगभग छह वर्षों से अपने नियोक्ताओं- अमर और अंशु- के बच्चों की देखभाल करने का काम कर रही थी और उनके साथ आईआईएम-बी परिसर में रह रही थी। पुलिस के अनुसार, महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 2021 से, नियोक्ताओं द्वारा उसे कथित तौर पर पर्याप्त भोजन नहीं दिया जा रहा था। उसने यह भी आरोप लगाया कि जब भी वह बीमार पड़ती थी, तो वे (नियोक्ता) उसके साथ मारपीट करते थे और उसका मोबाइल फोन छीन लेते थे।

महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि उसे घटनाओं की सही तारीखें और समय याद नहीं हैं, लेकिन उसने आरोप लगाया कि दंपति ने कई मौकों पर उसके साथ मारपीट की। महिला ने आरोप लगाया कि शारीरिक हमले की आखिरी घटना 15 अप्रैल को देर रात हुई, जब उसकी नियोक्ता अंशु ने कथित तौर पर उसके बाल खींचे और उस पर हमला किया। प्राथमिकी के अनुसार, नियोक्ताओं ने उस पर कथित तौर पर कई बार तब हमला किया जब वह दूसरों से बात करती थी, लेकिन उसने डर के मारे किसी को इसके बारे में नहीं बताया।

पुलिस ने बताया कि महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसके नियोक्ता उसके मोबाइल फोन पर संदेश देखते थे और उसे घर से बाहर जाने से रोकते थे। उसने आरोप लगाया कि चार मई को उसे सुबह से खाना नहीं दिया गया, जिसके बाद उसने पड़ोसियों से मदद मांगी, जिन्होंने उसे खाना दिया। एक पड़ोसी के फोन का इस्तेमाल करके उसने अपनी मौसी को सूचना दी, जो बेंगलूरु में रहती हैं और कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन, बेंगलूरु की अध्यक्ष हैं। महिला की शिकायत के बाद, छह मई को मीको लेआउट पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 127(4) (गलत तरीके से कैद करना) के तहत एक मामला दर्ज किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, सभी आरोपों की जांच की जा रही है और मामला फिलहाल जांच के तहत है।

कर्नाटक दौरे पर आए राजस्थान के छात्रों से राज्यपाल ने बातचीत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सोमवार को लोक भवन में युवा संगम कार्यक्रम के तहत कर्नाटक आए राजस्थान के छात्रों से बातचीत की। छात्रों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस तरह के शैक्षिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम देश भर के विभिन्न राज्यों के सामाजिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक पहलुओं के बारे में जागरूकता पैदा करके राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में मदद करते हैं।

उन्होंने कहा कि युवा संगम पहल छात्रों को भारत की विविधता को समझने और विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवों और प्रगति से सीखने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान करती है। उन्होंने छात्रों को अपने ज्ञान को व्यापक बनाने और राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने के लिए इस अवसर का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। राज्यपाल ने भारत के विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने का उल्लेख किया और युवाओं से देश को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम करने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का सदुपयोग करने और राष्ट्र के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने की सलाह भी दी। इस अवसर पर आईआईआईटी धारवाड़ के डॉ. एस.आर. महादेव और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मंत्री कीर्तना पहली बार में नहीं ले सकीं शपथ, बाद में प्रक्रिया पूरी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण के दौरान उस समय अजीब स्थिति उत्पन्न हो गई, जब एक महिला मंत्री शुरुआत में अपना निर्वाचन प्रमाण पत्र पेश नहीं कर सकीं और उन्हें इसे लाने के लिए वापस जाना पड़ा। वहीं, एक अन्य विधायक ने भूलवश अपने सहयोगी का दस्तावेज पेश कर दिया, हालांकि चूक का पता चलते ही इसे दुरुस्त कर लिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, शपथ ग्रहण के दौरान अन्नाद्रमुक के एक विधायक पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जे जयललिता की तस्वीर देखकर भावुक हो गए और रो पड़े। उन्होंने बताया कि कुछ घंटे बाद कीर्तना ने अपना प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया और शपथ ली।

विधानसभा की कार्यवाही के सीधे प्रसारण में देखा गया कि जब विधानसभा के प्रधान सचिव के. श्रीनिवासन ने माइक पर कीर्तना का नाम शपथ लेने के लिए पुकारा, तो वह मुख्यमंत्री की कुर्सी के सामने बने मंच की ओर बढ़ीं। विधानसभा की परंपरा के अनुसार, शपथ लेने वाले विधायक प्रोटेम स्पीकर (कार्यवाहक अध्यक्ष) की ओर मुख करके खड़े होते हैं। जैसे ही कीर्तना मंच के पास पहुंचीं, सचिव श्रीनिवासन ने हाथ उठाकर उनसे निर्वाचन प्रमाणपत्र मांगा। हालांकि, वह प्रमाणपत्र पेश नहीं कर सकीं। श्रीनिवासन को उन्होंने क्या जवाब दिया, यह स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है।

पूरे घटनाक्रम पर पीटीआई-भाषा से बात करते हुए एक अधिकारी ने कहा, ऐसा लगता है कि उनके पास उस समय निर्वाचन प्रमाणपत्र नहीं था। प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर पाने के कारण, वरिष्ठ अधिकारी ने उन्हें शपथ लेने की अनुमति देने से विनम्रतापूर्वक इनकार कर दिया। अब वह निर्वाचन प्रमाणपत्र जमा करने के बाद किसी भी समय शपथ ले सकती हैं। बाद में, कीर्तना प्रमाण पत्र सदन में लेकर आई और उसे अधिकारी को सौंप दिया तथा ईश्वर के नाम पर शपथ ली। अधिकारी ने बताया कि सभी विधायकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि वे अपना प्रमाणपत्र अनिवार्य रूप से साथ लाएं। सरकार ने एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए भी यह बात साफ कर दी थी।

वेलाचेरी से 'तमिलगा वेत्री कषगम' (टीवीके) के विधायक आर. कुमार जब अपना निर्वाचन प्रमाणपत्र जमा करने के बाद शपथ लेने ही वाले थे, तभी अधिकारी श्रीनिवासन ने उन्हें रोक दिया। श्रीनिवासन ने कुमार का ध्यान इस ओर दिलाया कि उनके द्वारा जमा किए गए प्रमाणपत्र पर किसी अन्य व्यक्ति का नाम दर्ज है। बाद में पता चला कि कुमार अपने पास बैठे अपनी ही पार्टी के एक अन्य विधायक का प्रमाणपत्र ले आए थे और अनजाने में उसे श्रीनिवासन को सौंप दिया था। इसके तुरंत बाद, कुमार अपनी सीट पर वापस गए और अपना निर्वाचन प्रमाणपत्र लाकर श्रीनिवासन को दिया। उन्होंने अधिकारी से अपने सहयोगी का प्रमाणपत्र वापस लेकर संबंधित विधायक को लौटा दिया। इसके बाद अधिकारी ने कुमार को शपथ लेने की अनुमति दी।

कुमार ने वेलाचेरी सीट पर अपने प्रतिद्वंद्वी अन्नाद्रमुक के एम. के. अशोक को 33,305 मतों से हराकर जीत दर्ज की है। इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी के आसान मौलाना जेएमएच तीसरे स्थान पर रहे। विधानसभा में एक भावुक क्षण भी आया जब पन्नरुट्टी से अन्नाद्रमुक के विधायक के. मोहन शपथ लेते समय अचानक रो पड़े। उन्होंने हाथ जोड़कर सदन में लगी दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता की तस्वीर को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय सहित सभी नवनिर्वाचित विधायकों ने पहले अपने प्रमाणपत्र जमा किए और उसके बाद अधिकारियों के निर्देशानुसार संविधान के तहत पद की शपथ ली। कैबिनेट में नौवें स्थान पर काबिज कीर्तना, शपथ लेने के लिए आमंत्रित की जाने वाली अंतिम मंत्री थीं। एस. कीर्तना शिवकाशी विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुई हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के अशोकन जी. को 11,670 मतों के अंतर से हराया है। पूर्व मंत्री और अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता के. टी. राजेंद्र बालाजी तीसरे स्थान पर रहे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक चेतना को मिली नई ऊर्जा : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सोमनाथ मंदिर भारत की सनातन संस्कृति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और अटूट आस्था का प्रतीक है। सोमनाथ मंदिर पर विदेशी आक्रांताओं ने अनेक बार आक्रमण किए। मंदिर में लूटपाट की गई, लेकिन यह मंदिर हर बार और अधिक भव्यता एवं स्वाभिमान के साथ पुनः स्थापित हुआ। उन्होंने कहा कि हमें हमारी समृद्ध विरासत, संस्कृति और स्वाभिमान को संजोते हुए आगामी पीढ़ी तक पहुंचाना है। उन्होंने युवाओं से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को अपनाकर सशक्त और आत्मनिर्भर भारत निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री सोमवार को झारखंड महादेव मंदिर में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गुजरात के सोमनाथ मंदिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुए सोमनाथ अमृत महोत्सव में मुख्यमंत्री वीसी के माध्यम से जुड़े और प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना।

सोमनाथ मंदिर पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के सोमनाथ मंदिर पहुंचे। प्रधानमंत्री का मंदिर मार्ग पर शंख और डमरू वादन के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने सोमनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की एवं देश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। सोमनाथ अमृत महोत्सव के अवसर पर आकाश में गौरव और शौर्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने सोमनाथ मंदिर के ऊपर अपने फ्लाईपास्ट से केसरिया और तिरंगे की आभा बिखेरी। प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि भी दी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ अमृत-महोत्सव, अतीत का उत्सव ही नहीं, बल्कि अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा का महोत्सव भी है। उन्होंने कहा कि आज भारत आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है, उसमें हमारी इस सांस्कृतिक निरंतरता की भी बहुत बड़ी भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में यह आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। साथ ही, हर जिले में इस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। उनका मानना था कि यह मंदिर भारत के आत्मसम्मान का प्रतीक है। वर्ष 1951 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा इस मंदिर की समारोहपूर्वक प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में 'विकास भी, विरासत भी' की संकल्पना को धरातल पर साकार किया जा रहा है। देशभर में धार्मिक स्थानों के विकास कर सनातन संस्कृति के उत्थान का कार्य किए जा रहे हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, केदारधाम पुनर्विकास, महाकाल लोक तथा धार्मिक स्थलों में विकास कार्यों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं तथा उन्होंने सोमनाथ मंदिर के विकास एवं संरक्षण के लिए भी उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने इस अवसर पर अगले 1 हजार दिनों के लिए विशेष पूजा की घोषणा भी की है।

उन्होंने कहा कि पिछले सवा दो साल में राज्य सरकार ने प्रदेश में आध्यात्मिक उत्थान एवं धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। पुष्कर, खाटूश्यामजी, नाथद्वारा, केशोरायपाटन, डीग और चित्तौड़गढ़ जैसे धार्मिक एवं हेरिटेज शहरों में हेरिटेज वॉक-वे निर्माण, किराडू के मंदिर समूह का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार के कार्य, पुष्कर, खाटूश्याम जी, देशनोक, डिग्गी में मुख्य प्रवेश मार्ग को मॉडल के रूप में विकास सहित धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। साथ ही वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत हजारों वरिष्ठजनों को हवाई एवं एसी ट्रेन के माध्यम से तीर्थ यात्रा का लाभ दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर का भव्य निर्माण हमें याद दिलाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है। हमारी संस्कृति का स्वभाव है कि हम झुकते नहीं, टूटते नहीं, बल्कि हर चुनौती के बाद और अधिक मजबूती से खड़े होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता, ईमानदारी, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सम्मान और राष्ट्रसेवा हमारी समृद्ध विरासत का हिस्सा हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने झारखंड महादेव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक, पंचामृत अभिषेक एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं कल्याण के लिए कामना की। इस अवसर पर उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या एवं गोपाल शर्मा सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

अदालत ने पूर्व मंत्री जोशी को न्यायिक हिरासत में भेजा

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान की एक स्थानीय अदालत ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) में कथित घोटाले के मामले में गिरफ्तार पूर्व मंत्री महेश जोशी को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जोशी को सात मई को गिरफ्तार किया था और वह पुलिस हिरासत में थे।

हिरासत की अवधि पूरी होने पर जोशी को आज यहां एसीबी की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि गत कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जब यह कथित घोटाला हुआ तो जोशी जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) मंत्री थे।

इससे पहले अप्रैल 2025 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इसी कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में जोशी को गिरफ़्तार किया था। वह करीब सात महीने तक जेल में रहे जिसके बाद दिसंबर में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें जमानत दे दी थी।

राजस्थान के अनेक इलाकों में भीषण गर्मी की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मौसम विभाग ने इस सप्ताह राज्य के कई इलाकों में भीषण गर्मी (हीटवेव) पड़ने की चेतावनी देते हुए कहा है कि आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, इस समय दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में अधिकतम तापमान 45-47 डिग्री सेल्सियस के मध्य दर्ज किया जा रहा है। रविवार दिन में अधिकतम तापमान बाड़मेर में 46.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

राज्य के ज्यादातर भागों में आगामी दिनों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है। जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में आगामी 4-5 दिन 'हीटवेव' व ऊष्णरात्री दर्ज होने का अनुमान है। वहीं दक्षिण-पूर्वी भागों में भी आगामी दिनों में अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री के बीच दर्ज होने व कहीं-कहीं हीटवेव, ऊष्णरात्री रहने की संभावना।

इसी तरह आगामी 48 घंटों के दौरान बीकानेर संभाग, शेखावाटी क्षेत्र, जयपुर व भरतपुर संभाग के उत्तरी भागों में कहीं-कहीं बादल छाये रहने, 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने व हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है।

कड़ेल गांव में पैदल घूमे और लोगों से मिले मुख्यमंत्री शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार सुबह अजमेर जिले के कड़ेल गांव में पैदल घूमे और ग्रामीण से संवाद कर सरकार की योजनाओं के बारे में उनसे जानकारी ली। शर्मा ने रविवार रात इस गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया था। वहीं सोमवार सुबह की सैर में वे एक बार फिर आम लोगों के बीच पहुंचे। गांव की गलियों में घूमते हुए उन्होंने बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया तथा महिलाओं, किसानों, पशुपालकों, युवाओं, फल एवं सब्जी विक्रेताओं और सफाईकर्मियों से बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रतिक्रिया ली और आमजन की समस्याओं को से सुना। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से भी उनकी पढ़ाई-लिखाई की जानकारी ली। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने गांव के प्राचीन शेषनाग भगवान मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। मंदिर परिसर में भी उन्होंने श्रद्धालुओं से भी संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने किसानों से गुलाब, आंवला, लेसवा, जामुन और प्याज सहित स्थानीय कृषि उत्पादों एवं पारंपरिक खेती की पद्धतियों पर चर्चा की। उन्होंने किसानों को आधुनिक, वैज्ञानिक एवं नवाचार आधारित कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उन्नत कृषि पद्धतियों और जल संरक्षण आधारित प्रयासों से उत्पादन और आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता और जवाबदेही के साथ काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने गांव में लंबित राजस्व प्रकरणों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को विशेष शिविर आयोजित कर राजस्व वादों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को त्वरित राहत पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

गांव में भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ बैठकर चाय भी पी तथा गांव के विकास, खेती-किसानी, शिक्षा और दैनिक जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इसके अनुसार, ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुनते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री ने गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। साथ ही, परिवहन सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए अतिरिक्त बस संचालन सुनिश्चित करने तथा बालिका विद्यालय की चारदीवारी निर्माण के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

किसान व पशुपालकों के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर जिले की चौमू तहसील की ग्राम पंचायत मोरीजा में ग्राम रथ अभियान के तहत उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में संध्या चौपाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ योजनाओं को धरातल तक पहुंचा रही है। उन्होंने ग्राम रथ अभियान को जन-जन तक सरकार की योजनाओं और ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 के प्रचारप्रसार का सशक्त माध्यम बताया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व प्रदेश सरकार कृषि, किसान व पशुपालकों क कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने इस दौरान ग्रामीणों की परिवेदनाएं पूर्ण संवेदनशीलता से सुनी एवं उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रदान किये।

इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा चौमूं उपखण्ड में विभिन्न सडकों के निर्माण एवं स्टेट हाइवे के निर्माण की स्वीकृति बाबत माननीया उपमुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया गया एवं चौमू-दूदू स्टेट हाइवे को फोरलेन हाइवे स्वीकृत करने बाबत मांग की। इस दौरान कला जत्था के स्थानीय कलाकारों ने नृत्य व गायन के अनुठे अंदाज में बेहतरीन प्रस्तुतियों से राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं व ग्राम के बारे में आमजन को जानकारी प्रदान की।

प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय ज्ञान परम्परा से नई पीढ़ी जुड़े : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने विज्ञान एवं तकनीक का उपयोग समृद्ध और स्वस्थ जीवन हेतु किए जाने का आह्वान करते हुए कहा कि केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी अनुसन्धान संस्थान सीरी अनाज, सब्जियों में पेस्टीसाइड, केमिकल आदि की जांच के लिए भी उपकरण बनाने की पहल करे। उन्होंने कहा कि जो खाद्यान्न हम उपयोग में लेते हैं, उनमें कितना विषाक्त है, इसके परीक्षण से जुड़े उपकरण इस समय में सबसे बड़ी आवश्यकता है। बागड़े ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के आधुनिक विकास के साथ भारतीय ज्ञान दृष्टि की समृद्ध परम्परा से जुड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत विज्ञान में आरम्भ से ही समृद्ध रहा है। खगोल, गणित, धातु विज्ञान, आयुर्वेद और वास्तुकला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत ने ही विश्व को मौलिक खोजें और विकास के सूत्र प्रदान किए हैं।

राज्यपाल सोमवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी अनुसन्धान संस्थान सीरी के जयपुर स्थित कार्यालय में विज्ञान भारती के सहयोग से आयोजित समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने खाद्य एवं पेय पदार्थों में मिलावट और नशे की लत से बचाव में भी प्रौद्योगिकी के उपयोग की आवश्यकता जताई। शून्य की खोज भारत द्वारा की गई खोज और उससे विश्व को मिले गणना ज्ञान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अजंता गुफाओं के चित्रों में बरते रंग आज भी प्राचीन रंगों की वैज्ञानिक दृष्टि की हमारी धरोहर है।

उन्होंने कहा दूध में पानी की मिलावट को जांचने के लिए हंसा टेस्ट किया जाता है। यह हमारे पक्षी विज्ञान की दृष्टि का आविष्कार है। उन्होंने महर्षि अरविंद की चर्चा करते हुए नई पीढ़ी की बौद्धिक क्षमता बढ़ाए जाने के लिए कार्य करने पर जोर दिया।

बागड़े ने कहा कि नैतिक मूल्य और प्रतिबद्धता के बगैर जीवन की सार्थकता नहीं है। उन्होंने कहा कि विज्ञान के साथ हमें आदमी गढ़ने पर भी ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत धातु विज्ञान से तब से जुड़ा हुआ है, जब दूसरे देशों को इसका ज्ञान ही नहीं मिलता था। उन्होंने प्राचीन प्रतिमाओं में स्वर्ण आभूषण उकेरे जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि डलहौजी भारत आया तो 17 जहाज भरके सोना ले गया था। इससे पहले राज्यपाल ने राजस्थान विज्ञान महोत्सव 2026 की स्मारिका का लोकार्पण किया और पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने सीरी की प्रयोगशाला में विकसित उपकरणों को भी देखा।

विज्ञान भारती के सचिव मेघेंद्र शर्मा ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के आलोक में विज्ञान की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए बताया कि विज्ञान भारती द्वारा रीको औद्योगिक क्षेत्र में पौधे लगाने के साथ उनका संरक्षण भी किया गया है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विज्ञान से जनजन को जोड़ने में भी विज्ञान भारती निरंतर कार्य कर रही है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी अनुसन्धान संस्थान के निदेशक पीसी पंचारिया ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला।

रेख संस्थाओं के सुढ़ीकरण एवं गुणवत्ता सुधार के दिए दिया कुमारी ने निर्देश

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं बाल अधिकारिता विभाग मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में बाल अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग की संस्थागत एवं गैर-संस्थागत देखरेख योजनाओं, मिशन वात्सल्य, स्पॉन्सरशिप योजना, चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान तथा वर्ष 2026-27 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

बैठक में राज्य में बाल अधिकार एवं संरक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु विभागीय योजनाओं के प्रभावी संचालन एवं क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बाल देखरेख संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण, मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित गति से पूर्ण किया जाए, ताकि संस्थाओं में बच्चों को बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) को और अधिक प्रभावी बनाते हुए शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा जरूरतमंद बच्चों तक समयबद्ध सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फसली ऋण की राशि में अनियमितता की शिकायत पर व्यवस्थापक निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने सोमवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) का निरीक्षण कर विभाग से संबंधित प्रकरणों एवं शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने हेल्पलाइन के माध्यम से परिवादियों से संवाद कर उनकी शिकायतें सुनीं और तत्काल निस्तारण करवाया। शासन सचिव ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का त्वरित, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डॉ. शर्मा ने कहा कि सहकारिता विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवादी को समयबद्ध एवं तथ्यात्मक जवाब उपलब्ध करवाया जाए। शिकायतों के निस्तारण में केवल औपचारिक जवाब देने की बजाय समस्याओं का व्यवहारिक समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन का सहकारिता तंत्र पर विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर शिकायत समाधान की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। संवाद के दौरान अलवर जिले से परिवादी ने बताया कि महाराजावास ग्राम सेवा सहकारी समिति के व्यवस्थापक ने उन्हें अल्पकालीन फसली ऋण की स्वीकृत पूरी राशि उपलब्ध नहीं करवाई।

बाणियावास में ग्राम रथ अभियान के तहत ग्रामविकास रात्रि चौपाल आयोजित

जयपुर/दक्षिण भारत।पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने रविवार को सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव बाणियावास में ग्राम रथ अभियान के अंतर्गत रात्रि चौपाल में किसानों और युवाओं से संवाद किया। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं एवं सुझाव मंत्री के समक्ष रखे। मंत्री कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार गांव-गांव तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और ग्राम रथ अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र में सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को उनका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

कुमावत ने कहा कि यह चौपाल केवल एक कार्यक्रम

नहीं है, बल्कि सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार का उद्देश्य है कि हर गांव, हर ढाणी तक विकास की किरण पहुंचे। पशुपालन, गोपालन और डेयरी क्षेत्र हमारे ग्रामीण जीवन की रीढ़ हैं।

तकनीक समय की तरह है, जो इसके साथ नहीं चला वह पिछड़ गया : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' के अवसर पर युवाओं को नसीहत देते हुए कहा कि तकनीक समय की तरह है और जो इसके साथ नहीं चला वह पिछड़ जाएगा।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर प्रदेशवासियों को खुला पत्र साझा करते हुए कहा कि तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार है। उन्होंने अपने संदेश में कहा, मेरे युवा साथियों, तकनीक समय की तरह है। तकनीक के साथ नहीं चलना, समय से पिछड़ जाना है। तकनीक के साथ चलने का अर्थ सुदृढ़ वर्तमान एवं स्वर्णिम भविष्य की दिशा में अग्रसर होना है। नवीनतम तकनीक सीखें, नवाचार अपनाएं एवं आत्मनिर्भर प्रदेश के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। 'योगी की पाती' शीर्षक से लिखी गई चिट्ठी में मुख्यमंत्री ने कहा कि हर वर्ष 11 मई को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' मनाया जाता है लेकिन यह तिथि यूं ही नहीं चुनी गई। आदित्यनाथ ने लिखा, वर्ष 1998

में इसी दिन पोखरण में 'ऑपरेशन शक्ति' के अंतर्गत भारत ने तीन सफल परमाणु परीक्षण कर विश्व को अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और राष्ट्रीय सामर्थ्य का बोध कराया। इसी दिन स्वदेशी विमान 'हंस-3' ने सफल उड़ान भरी, तो स्वदेशी 'त्रिशूल' मिसाइल का परीक्षण भी हुआ। तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार है। उप्र सरकार इसी मंत्र पर आगे बढ़ रही है। आज तकनीक प्रयोगशाला से निकलकर खेत-खलिहान तक पहुंच गई है और इससे जनजीवन सुगम हुआ है। ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा इसी तकनीक का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री ने पत्र में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का भी जिक्र करते हुए कहा, उप्र के सपूत शुभांशु शुक्ला ने गत वर्ष सफल अंतरिक्ष उड़ान से 140 करोड़ भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा किया, तो यह तकनीक का ही चमत्कार है। इससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने अपनी सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रौद्योगिकी आधारित योजनाओं का भी जिक्र करते हुए पत्र में कहा, इनोवेट इन यूपी, स्केल फॉर द वर्ल्ड के मूलमंत्र के साथ हमारी सरकार ड्रोन, क्वांटम, ग्रीन हाइड्रोजन एवं मेड-टेक के क्षेत्र में प्रगति करते हुए उत्तर प्रदेश को देश का 'डीप टेक कैपिटल' बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। तकनीक आधारित विकास की इस यात्रा में उत्तर प्रदेश आज आईटी पार्क, स्टार्टअप्स और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। यहां ब्रह्मोस मिसाइल तक बन रही है।

महिला अभ्यर्थियों को आंदोलन करने की जरूरत नहीं, बिहार सरकार उनके साथ : शिक्षा मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी ने सोमवार को कहा कि शिक्षक भर्ती परीक्षा की महिला अभ्यर्थियों को आंदोलन करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि राज्य सरकार उनके अधिकारों के समर्थन में मजबूती से खड़ी है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की शिक्षक भर्ती परीक्षा-4 (टीआरई-4) के अभ्यर्थियों ने भर्ती परीक्षा की अधिसूचना जारी करने में हो रही देरी के विरोध में शुक्रवार को पटना में प्रदर्शन किया था। बिहार में बीपीएससी टीआरई-4 परीक्षा के जरिये 46 हजार से अधिक पदों पर नियुक्ति किए जाने की उम्मीद है, लेकिन यह परीक्षा अप्रैल 2026 की प्रारंभिक समयसीमा के बावजूद आयोजित नहीं की गई है।

पुलिसकर्मियों के महिला प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने के बारे में पूछे जाने पर शिक्षा मंत्री ने कहा, आंदोलन की क्या जरूरत है। हमारी बेटियां हमारी ताकत हैं और राष्ट्र की समृद्धि की आधारशिला हैं। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद 'नारी शक्ति वंदन' के समर्थन में हैं, तो महिला अभ्यर्थियों को सड़कों पर उतरने की क्या जरूरत है। पटना पुलिस ने शुक्रवार को विरोध मार्च निकाल रहे अभ्यर्थियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग और लाठीचार्ज किया था।

सोमनाथ मंदिर भारत की आत्मा और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' भारत के सनातन धर्म, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मसम्मान का प्रतीक है। गुप्ता ने गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर में पूजा-अर्चना की।

गुप्ता ने कैबिनेट मंत्रियों परवेश साहिब सिंह, मंजिंदर सिंह सिरसा और कपिल मिश्रा के साथ गुजरात के सोमनाथ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन का सीधा प्रसारण भी देखा।

गुप्ता ने कहा कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' भारत की सनातन आस्था, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सदियों तक हुए आक्रमणों और विध्वंस के बावजूद सोमनाथ को लेकर आस्था कभी नहीं झुकी और हर बार भारत की आध्यात्मिक शक्ति ने स्वयं को स्थापित किया।

गुप्ता ने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के दृष्टिकोण के तहत देश आधुनिक विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है और साथ ही अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को भी संरक्षित कर रहा है।

पुनर्निर्मित मंदिर को 1951 में श्रद्धालुओं के लिए पुनः खोल दिया गया था।

हिमंत असम के मुख्यमंत्री के रूप में लेंगे शपथ; प्रधानमंत्री, राजग के शीर्ष नेता रहेंगे मौजूद

गुवाहाटी/भाषा। असम में मंगलवार को हिमंत विश्व शर्मा के लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की तैयारी पूरी हो चुकी है। इसके साथ ही राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का लगातार तीसरा कार्यकाल शुरू होगा। खानापारा के पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ-साथ राजग शासित राज्यों के 40 से अधिक मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के उपस्थित रहने की संभावना है। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य पूर्वाह्न 11 बजकर 40 मिनट पर शर्मा और नई मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

भाजपा नीत गठबंधन के 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल के नेतृत्व में पहली बार सत्ता में आने के बाद से यह राज्य में राजग का लगातार तीसरा कार्यकाल होगा। राजग में भाजपा, असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) शामिल हैं। गठबंधन ने 126 सदस्यीय विधानसभा में रिकॉर्ड 102 सीट पर जीत दर्ज की। भाजपा ने अकेले 82 सीट जीतकर राज्य में पहली बार अपने दम पर बहुमत हासिल किया, जबकि अगप और बीपीएफ को 10-10 सीट मिलीं। शर्मा के साथ ही मंत्रिपरिषद के नए सदस्यों के शपथ ग्रहण करने की भी संभावना है, जिसमें सभी गठबंधन सहयोगियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह के बाद शर्मा द्वारा नई सरकार के पहले 100 दिन की प्राथमिकताओं को प्रस्तुत करने की उम्मीद है। इनमें भूमि अधिकारों और अतिक्रमण हटाने के अभियानों से संबंधित प्रतिबद्धताएं भी शामिल होंगी। यह प्रचंड चुनावी जीत 'पहचान, भूमि और सुरक्षा' के मुद्दों को उठाते हुए चलाए गए प्रचार अभियान के बाद मिली है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने बोर्ड, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से मनोनीत सदस्यों को हटाने का आदेश दिया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे उनके नियंत्रण में आने वाले गैर-वैधानिक निकायों, बोर्ड, संगठनों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मनोनीत सदस्यों, निदेशकों और अध्यक्षों की सेवाएं तत्काल समाप्त कर दें। सरकार ने एक आधिकारिक आदेश में विभागों को उन अधिकारियों और कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति और सेवाकाल विस्तार को समाप्त करने का भी निर्देश दिया है, जो 60 वर्ष की सामान्य सेवानिवृत्ति आयु के बाद भी सेवा में बने हुए हैं।

एक वरिष्ठ नौकरशाह ने कहा, ''सरकार ने राज्य सरकार के विभिन्न बोर्ड, संगठनों, गैर-वैधानिक निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मनोनीत सदस्यों, निदेशकों या अध्यक्षों का कार्यकाल तत्काल समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आदेश जारी किया है।''

सभी अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों और विभागों के सचिवों को संबोधित इस निर्देश में कहा गया है कि ''राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में ऐसे अधिकारियों/कर्मचारियों, जो सेवानिवृत्ति की सामान्य आयु (60 वर्ष) के बाद पुनर्नियुक्ति या सेवा-विस्तार पर कार्यरत हैं, उनकी सेवाएं भी तुरंत समाप्त की जा सकती हैं।''

आगामी वर्षों में बिहार का पूरा आधारभूत ढांचा बदल जाएगा : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि आने वाले वर्षों में विभिन्न संपर्क परियोजनाओं के जरिए राज्य के पूरे आधारभूत ढांचे में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। वह पटना के मंदिरी इलाके में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नेता नितिन नवीन के दिवंगत पिता नवीन किशोर सिन्हा के नाम पर पटना के मंदिरी नाला को ढक कर बनाई गई सड़क ''नवीन किशोर सिन्हा पथ'' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा पटना पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से चार बार भाजपा विधायक रहे थे। मंदिरी क्षेत्र से गांधी मैदान के निकट काली मंदिर तक जाने वाले नवीन सिन्हा पथ का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले चरण में इस सड़क को 31 मार्च, 2027 तक मरीन ड्राइव से जोड़ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मंदिरी क्षेत्र लंबे समय से भीषण यातायात जाम की समस्या से जूझ रहा था। यह वैकल्पिक मार्ग पूरे इलाके की तस्वीर बदल देगा। नाले की वजह से वर्षों तक परेशान रहने वाले लोग अब इस क्षेत्र को एक व्यावसायिक केंद्र के रूप में विकसित होते देखेंगे।'' चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नितिन नवीन को मंदिरी नाले के ऊपर चार लेन सड़क निर्माण परियोजना शुरू करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य संपर्क सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ नाले को ढंकना भी था। उन्होंने कहा, ''जब मैं 2014 में शहरी विकास मंत्री था, तब मैंने अशियाना-दीघा नाला पथ का प्रायोगिक निर्माण शुरू कराया था। उस समय नीतीश कुमार जी ने मुझे इस मॉडल को आजमाने के लिए प्रोत्साहित किया था।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार की सड़कें सैदपुर और राजीव नगर नालों के ऊपर भी बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा, ''बिहार सरकार पटना के दोनों छोर पर नए शहर विकसित करने की योजना बना रही है। करीब 66,000 एकड़ में पाटलिपुत्र टाउनशिप विकसित करने की योजना है, जबकि गंगा के दूसरी ओर सोनपुर क्षेत्र में भी टाउनशिप निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है।''

बंगाल सरकार ने बांग्लादेश से लगी सीमा पर बाड़बंदी के लिए बीएसएफ को भूमि हस्तांतरण की मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक और नीतिगत उपायों की घोषणा की, जिनमें राज्य को केंद्र की आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना में शामिल करना, सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को भूमि का हस्तांतरण और बीएनएस आपराधिक कानून को लागू करना शामिल है।

ये निर्णय पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के मंत्रिमंडल की पहली बैठक के दौरान लिए गए, जिसकी अध्यक्षता अधिकारी ने की और जिसमें शपथ लेने वाले पांच मंत्रियों के साथ-साथ वरिष्ठ नौकरशाह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि बंगाल अब आयुष्मान भारत योजना का हिस्सा बन जाएगा, साथ ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, किसानों को फसल बीमा प्रदान करने वाली प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सरकारी स्कूलों के उन्नयन के लिए प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) योजना और कारीगरों एवं शिल्पकारों को समर्थन देने वाली प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना जैसी कई अन्य केंद्रीय कल्याणकारी परियोजनाओं का भी हिस्सा होगा। राज्य में महिलाओं की शिक्षा और सशक्तीकरण के लिए 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना और रियायती दरों पर खाना पकाने के रसोई गैस प्रदान करने वाली उज्ज्वला 3.0 योजना भी लागू की जाएगी।

आरोप है कि ममता बनर्जी के पूर्व शासनकाल में राजनीतिक कारणों से इन सभी योजनाओं को राज्य के लोगों की पहुंच से बाहर रखा गया था। अधिकारी ने कहा, प्रधानमंत्री द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादे के अनुसार, हम अब आयुष्मान भारत योजना का हिस्सा हैं। मंत्रिमंडल ने राज्य के मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव और स्वास्थ्य सचिव को आयुष्मान भारत योजना के तत्काल कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ आवश्यक समझौतों को तैयार करने की निगरानी करने का निर्देश दिया है।

ममता ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस से गठबंधन किया होता, तो यह दशा नहीं होती: तिवारी

मथुरा (उप्र)/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि अगर तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव कांग्रेस के साथ गठबंधन में लड़ा होता, तो उन्हें आज ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता।

तिवारी बांके बिहारी मंदिर में दर्शन करने रविवार को वृंदावन आए थे। उनके साथ उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा भी थीं।

कांग्रेस नेता ने असम और पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र की हत्या हो रही है और संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''चुनावी प्रक्रियाओं में जिस तरह से केंद्रीय एजेंसियों और केंद्र सरकार द्वारा दखल दिया जा रहा है, यह संविधान के लिए ठीक नहीं है।'' तिवारी ने कहा, ''हमने केरल में विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की और तमिलनाडु में धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करने वाले दल का समर्थन किया।''

अरुणाचल प्रदेश में तेजी से पिघल रहा खांगरी हिमनद, बाढ़ का खतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में पाया है कि अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में स्थित खांगरी हिमनद के तेजी से पिघलने, अस्थिर भू-भाग के निर्माण और संभावित रूप से खतरनाक एक हिम निर्मित झील के बनने के संकेत मिले हैं, जिससे मागो चू बेसिन के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो सकता है। अधिकारी ने यह जानकारी दी।

यह निष्कर्ष पृथ्वी विज्ञान और हिमालय अध्ययन केंद्र (सीईएसएचएस) द्वारा राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र और नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से किए गए पांचवें खांगरी हिमनद अभियान के दौरान सामने आए। यह वैज्ञानिक अभियान चार मई को सीमा पार तक विस्तृत मागो चू बेसिन में शुरू हुआ, जो ब्रह्मपुत्र बेसिन प्रणाली का एक प्रमुख जलस्रोत क्षेत्र है। इसका उद्देश्य हिमनदों की स्थिति का आकलन, क्रायोस्फीयर निगरानी और पूर्वी हिमालय में जलवायु संबंधी खतरों का अध्ययन करना है। सीईएसएचएस के निदेशक तागे ताना ने कहा कि अध्ययन के दौरान टीम ने खांगरी हिमनद में ''चिंताजनक भू-आकृतिक परिवर्तन'' देखे, जो उच्च हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव को दर्शाते हैं। अध्ययन में पाया कि हिमनद के निचले हिस्से में एक बड़ा धंसाव क्षेत्र विकसित हो रहा है, जहां हिमनद तेजी से टूट रहा है और अस्थिर भू-भाग की स्थिति बन रही है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी कि ऐसी अस्थिरता से भूस्खलन और मागो चू बेसिन में निचले क्षेत्रों के लिए जोखिम बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों की टीम ने लगभग 16,500 फुट की ऊंचाई पर एक नई झील का भी पता लगाया है, जो हिमनद के आगे बनने वाली झील (प्रोग्लेशियल लेक) है।

दूल्हे की तबीयत बिगड़ने पर दुल्हन पक्ष ने शादी से इनकार किया, बारात लौटी

एटा/भाषा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले के सकीट थाना क्षेत्र में दूल्हे की तबीयत अचानक बिगड़ने पर दुल्हन पक्ष ने मेडिकल रिपोर्ट मांगते हुए शादी से इनकार कर दिया। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि काफी मान-मनौव्वल के बावजूद बात नहीं बनने पर बारात लौट गई। सूत्रों के मुताबिक, कोतवाली देहात क्षेत्र के कठोली गांव के रहने वाले युवक का रिश्ता सकीट थाना क्षेत्र के नगला फुले गांव के विजय सिंह की बेटी से तय हुआ था।

सूत्रों ने बताया कि रविवार शाम सकीट स्थित सोनू गेस्ट हाउस में बारात पहुंची, लेकिन शादी की रस्में शुरू होने के दौरान दूल्हा कुर्सी पर ठीक से बैठ नहीं पाया और अचानक नीचे गिर पड़ा, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूत्रों के अनुसार, मौके पर मौजूद लोगों ने दूल्हे को संभालने का प्रयास किया और पानी पिलाया, लेकिन दुल्हन पक्ष के लोगों ने दूल्हे की सेहत को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए और उसकी मेडिकल रिपोर्ट मांगी। सूत्रों ने बताया कि दुल्हन की मां ने आरोप लगाया कि वर पक्ष ने दूल्हे की बीमारी की बात उनसे छिपाई थी। उन्होंने बताया कि इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस और विवाद होने लगा। सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच समझौते की कोशिशें रात भर जारी रहीं, लेकिन दुल्हन और उसके परिजन शादी न करने के अपने फैसले पर कायम रहे, जिसके बाद बारात लौट गई।

कुश्ती से संन्यास नहीं लूंगी, विनेश ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोंडा (उत्तर प्रदेश)/भाषा। विनेश फोगाट ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) में सत्ता में बैठे लोग चाहते हैं कि वह इस खेल को छोड़ दें लेकिन उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह हार स्वीकार नहीं करेंगी और उन्हें अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होने देंगी।

डब्ल्यूएफआई ने विनेश को यहां होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए तब तक अयोग्य घोषित कर दिया था जब तक उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती लेकिन वह सोमवार को यहां पहुंचीं और इस बात पर अड़ी रहीं कि वह इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की पात्र हैं।

डब्ल्यूएफआई अधिकारियों से मिलने के बाद विनेश ने पत्रकारों से कहा, ''आप मेरे से क्या उम्मीद करते हैं? क्या मैं संन्यास ले लूं और दूर हो जाऊं? हार मान लूं? जिससे कि मेरे खिलाफ उनकी साजिश कामयाब हो जाए? वह चाहते हैं कि मैं कुश्ती छोड़ दूं, मैं थक जाऊं, मैं हाथ जोड़ लूं और चली जाऊं। संजय सिंह, बृज भूषण, उनकी टीम, वे सभी जिनका इस पर नियंत्रण है, जिनके पास सत्ता है।''

इस 31 वर्षीय दो बार की विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता ने कहा कि उन्हें डब्ल्यूएफआई

अधिकारियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए सजा दी जा रही है। विनेश ने डब्ल्यूएफआई अधिकारियों द्वारा उनके खिलाफ इस्तेमाल की गई भाषा पर भी सवाल उठाया और कहा कि देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करने के बावजूद वह खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। विनेश ने कहा, ''मैंने देश का प्रतिनिधित्व किया है। मैं ओलंपिक में गई हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में खेला है, मैंने विश्व स्तर पर खेला है। आप मुझे 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' कह रहे हैं। क्या आपने अपनी भाषा देखी है? क्या आपको लगता है कि मैं वहां सुरक्षित हूं? क्या मेरे लिए वहां कोई सुरक्षित माहौल है?'' उन्होंने कहा, ''शायद वह (डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह) मुझे आतंकवादी कह रहे हैं। उनकी भाषा में मैं खालिस्तानी भी हो सकती हूं। लेकिन मैं इस देश की एक सम्मानित नागरिक हूं। मुझे लड़ने का अधिकार है। मैं देश के किसी भी हिस्से में जा सकती हूं।''

विनेश ने कहा, ''मैं सुरक्षित महसूस नहीं करती। मुझे बोलने का अधिकार है। इस संविधान ने मुझे यह अधिकार दिया है। संजय सिंह ने मुझे यह अधिकार नहीं दिया है। ना ही किसी महासंघ ने मुझे यह अधिकार दिया है। और एक नागरिक के तौर पर मुझे अपने अधिकारों की जानकारी है।''

डब्ल्यूएफआई ने विनेश को एक कड़े शब्दों वाला 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया था, जिसमें उन पर अनुशासनहीनता, महासंघ के नियमों का उल्लंघन और डोपिंग रोधी प्रक्रियाओं के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएफआई के अधिकारियों के खिलाफ आवाज उठाने की वजह से उन्हें सजा दी जा रही है।

भाजपा समर्थित उपद्रवियों ने पुलिसकर्मियों के सामने 10 दुकानों में आग लगायी : अभिषेक बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी समर्थित उपद्रवियों ने पुलिसकर्मियों के सामने पूर्वी मेदिनीपुर के खेजुरी में लगभग 10 दुकानों में आग लगा दी। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पश्चिम बंगाल में लक्षित हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

इन आरोपों को खारिज करते हुए पूर्वी मेदिनीपुर के एक भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी हमेशा शांति का समर्थन करती है। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव ने एक दिन पहले दावा किया था कि उसी इलाके में 60 दुकानों में आग लगा दी गई थी।

इससे पहले सोमवार को बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भीषण आग का एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि खेजुरी के जोन्का ग्राम पंचायत में कल रात पुलिस के सामने भाजपा के उपद्रवियों ने लगभग 10 दुकानों में आग लगा दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार देर रात खेजुरी में अज्ञात लोगों ने पांच दुकानों में आग लगा दी। उन्होंने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात बदमाशों ने दुकानों में आग लगा दी जिसके बाद दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। उन्होंने बताया कि इलाके में आरएएफ और केंद्रीय बलों के कर्मियों को तैनात किया गया है।

बनर्जी ने भाजपा पर निशाना साधते इस घटना को दोहरे इंजन की आपदा करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों की आजीविका राख में तब्दील हो गई क्योंकि अब नफरत और धमकी को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

सुविचार

जीवन में ज्यादा रिश्ते होना जरूरी नहीं है, पर जो रिश्ते हैं उनमें जीवन होना जरूरी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मिलकर करें चुनौतियों का मुकाबला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए जिन कदमों को उठाने का आह्वान किया है, वे आज अत्यंत प्रासंगिक हैं। पश्चिम एशिया में हालात जिस ओर जा रहे हैं, उनके मद्देनज़र हमें अपने देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। प्रधानमंत्री ने जो संकल्प सुझाए हैं, वे मुश्किल नहीं हैं। हर नागरिक बड़ी आसानी से उनका पालन कर सकता है। हमें डीजल, पेट्रोल और एलपीजी बचाने पर ध्यान देना होगा। ईंधन का अनावश्यक उपयोग न करें। गांवों में रसोईघर के लिए वैकल्पिक ईंधन की कमी नहीं है। डीजल-पेट्रोल की बचत करने के लिए सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना होगा। साइकिल को लोकप्रिय बनाने के लिए यह सबसे सही समय है। केंद्र सरकार ऐसी योजना लेकर आए, जिससे लोगों को साइकिल का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन मिले। बाजार में सुंदर और सस्ती साइकिलें उपलब्ध हों। जो लोग साइकिल चलाकर अपने दफ्तर जाएं, उन्हें आर्थिक प्रोत्साहन मिलना चाहिए। उनके लिए सड़कों को सुरक्षित बनाया जाए। इस समय जो व्यक्ति ईंधन से चलने वाले वाहन की जगह साइकिल चलाता है, वह देशभक्ति का काम करता है। ऐसे लोगों को सम्मानित करना चाहिए। वर्क फ्रॉम होम भी ऐसा विकल्प है, जिसे जहां संभव हो, वहां तुरंत प्रभाव से लागू कर देना चाहिए। भारत में इंटरनेट सेवा बहुत अच्छी हो गई है। कई कंपनियों में पहले ही से वर्क फ्रॉम होम की सुविधा है। अगर अन्य कंपनियां भी इसे लागू करें तो हर महीने करोड़ों रुपए का ईंधन बच सकता है। कंपनियों को आगे आकर यह घोषणा करनी चाहिए कि वे देशहित में वर्क फ्रॉम होम लागू कर रही हैं। इस फैसले को अपार जनसमर्थन मिलेगा।

ब्याह-शादियों में लोग सोने के आभूषण खरीदते हैं। निवेश के लिए भी सोने को सुरक्षित विकल्प माना जाता है। हमें अपनी जरूरत के लिए ज्यादातर सोना आयात करना पड़ता है, जिसका भुगतान विदेशी मुद्रा में होता है। इससे रुपए पर दबाव पड़ता है। हर परिवार को कम से कम एक साल के लिए सोना न खरीदने का संकल्प लेना चाहिए। अगर लोग दृढ़ता से इसका पालन करें तो एक महीने में ही बड़ा असर दिखाई देने लगेगा। सोने में निवेश करने की जगह सरकारी बचत योजनाओं की सदस्यता लें। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। कल्याणकारी योजनाओं के लिए सरकार के पास ज्यादा धन होगा। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए खाद्य तेल की खपत कम करनी होगी। ज्यादा तेल सेहत के लिए नुकसानदेह होता है। जापान में लंबी उम्र पाने वाले कई लोगों ने स्वीकार किया है कि वे भोजन में तेल कम डालते हैं, उबली हुईं चीजें ज्यादा खाते हैं। रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करने के लिए किसानों को प्राकृतिक खाद बनाने का प्रशिक्षण देना चाहिए। जो लोग विदेश घूमने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। अपने देश में भी बहुत सुंदर स्थान हैं। उनका आनंद उठाने की योजना बना सकते हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद विपक्ष के कई नेताओं द्वारा सोशल मीडिया पर की जा रही तीखी आलोचना अनुचित है। यह आह्वान किसी पार्टी का चुनावी अभियान नहीं है। यह देशहित की बात है। इस समय सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं को आगे आकर मिसाल पेश करनी चाहिए। उन्हें अपने काफिलों से गाड़ियों की संख्या घटा देनी चाहिए। नेतागण को कहना चाहिए कि वे दैनिक जीवन में स्वदेशी चीजों का ज्यादा उपयोग करेंगे। अगर ऐसी चीजों की सूची सोशल मीडिया पर डाल दें तो बेहतर रहेगा। यह देश हम सबका है। आज अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के कारण कुछ चुनौतियां आ गई हैं तो हमें मिलकर उनका मुकाबला करना चाहिए। दुनिया को हमारी एकता की शक्ति दिखाने का समय आ गया है।

ट्वीटर टॉक

श्रीलंका सरकार की महिला और बाल मामलों की मंत्री, माननीय सुश्री सरोजा सावित्री पॉलराज और श्रीलंका के महिला पार्लियामेंट्री डेलीगेशन से पार्लियामेंट हाउस में मिलकर खुशी हुई और दोनों देशों के पार्लियामेंट्री सहयोग को मज़बूत करने पर जाने-माने सदस्यों के साथ बातचीत हुई।

-ओम बिरला

आज सचिवालय में बाल अधिकार विभाग के अधिकारियों की एक बैठक हुई, जिसमें बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन, परियोजनाओं की प्रगति और बाल अधिकारों और सुरक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों पर विस्तृत समीक्षा की गई।

-दिया कुमारी

आज, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के शुभ अवसर पर, झारखंड महादेव मंदिर में पूजा और अनुष्ठान किए गए, जिसमें राज्य के लोगों की खुशहाली की प्रार्थना की गई।सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं है, बल्कि भारत की अटूट आस्था, अमर पहचान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

आजादी का संकल्प

चंद्रशेखर आजाद ने मातृभूमि को आज़ाद कराने का संकल्प लिया था। उन दिनों रामकृष्ण खत्री क्रांतिकारियों के साथ काम कर रहे थे। एक बार गाज़ीपुर के एक महंत बीमार थे। उन्होंने रामकृष्ण खत्री से कहा 'आपकी निगाह में यदि कोई सुशील और सच्चरित्र लड़का हो तो बताइए। मैं उसे अपना शिष्य बनाकर इस मठ की व्यवस्था उसके सुपुर्द करना चाहता हूं।' खत्री जी ने इस बात की चर्चा क्रांतिकारियों से की, तो चंद्रशेखर आज़ाद भी शिष्य बनने के लिए तैयार हो गए। खत्री जी ने कहा 'तुम पागल तो नहीं हो? साधु बनोगे? सिर मुंडवाना पड़ेगा, दीक्षा लेनी पड़ेगी और सेवा भी करनी होगी। दिन-रात मठ में ही रहना पड़ेगा।' आज़ाद ने कहा'मेरे साहित्यकार भाई! मठ में काफी संपत्ति है। हमारी पार्टी को धन की बहुत आवश्यकता है। यदि धन होगा तो पार्टी बहुत मजबूत होगी, और पार्टी मजबूत होगी तो देश जल्दी आज़ाद हो जाएगा। अपने देश को आज़ाद कराने के लिए मैं कुछ भी करने को तैयार हूं।' खत्री जी ने पूछा'तुम्हारा परिचय किस नाम से करवाया जाए?' आज़ाद बोले'एक कवि के नाम से करवा देना, बस।' खत्री जी ने फिर पूछा'अगर महंत जी कविता सुनाने के लिए कहने लगे तो?' आज़ाद गंभीर होकर बोले'देश की आज़ादी के लिए मैं क्रांतिकारी बन सकता हूं, तो क्या कवि नहीं बन सकता?

सामयिक

देश में अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार पकड़वा विवाह' के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है।

यह विडंबना ही है कि एक ओर हम नारी शक्ति' और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और

आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने। एनसीआरबी के आंकड़े हमारे सामने एक कठोर सच रख रहे हैं।

डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह सॉफ्टवेयर क्राइम' का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है।

यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे।

आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने। एनसीआरबी के आंकड़े हमारे सामने एक कठोर सच रख रहे हैं। यह समय आंकड़ों पर औपचारिक चिंता जताने का नहीं, बल्कि गहन आत्ममंथन और ठोस कार्रवाई का है। यदि हम वास्तव में 2047 तक एक आदर्श, विकसित और सभ्य भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो अपराधमुक्त समाज निर्माण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। समाज में नैतिक चेतना, संवेदनशीलता और कानून के प्रति सम्मान का वातावरण निर्मित करना होगा। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकेंगे, जहां विकास केवल इमारतों और तकनीक में नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और सामाजिक सुरक्षा में भी दिखाई दे।

नजरिया

नर्सों का योगदान और विश्व स्वास्थ्य का भविष्य

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

मानवता की सेवा और उपचार की प्रक्रिया में नर्सों का योगदान अतुलनीय है। प्रत्येक वर्ष 12 मई को संपूर्ण विश्व अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाता है। यह दिवस केवल एक तिथि नहीं है बल्कि उस समर्पण और करुणा का सम्मान है जो नर्सें बिना किसी स्वार्थ के समाज को प्रदान करती हैं। इस विशेष दिवस का आयोजन आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के उपलक्ष्य में किया जाता है। 1820 में जन्मी फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने नर्सिंग को एक पेशेवर और सम्मानित स्वरूप प्रदान किया। क्रीमिया युद्ध के दौरान उन्होंने रात के अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायल सैनिकों की जिस प्रकार सेवा की उसने उन्हें लेडी विद द लैंप की उपाधि दी। उन्होंने यह सिद्ध किया कि चिकित्सा केवल औषधियों का खेल नहीं है बल्कि इसमें स्वच्छता, सहानुभूति और निरंतर देखभाल का भी उतना ही महत्व है। वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की विषयवस्तु हमारी नर्सें, हमारा भविष्य, सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं निर्धारित की गई है। यह विषयवस्तु इस बात की ओर संकेत करती है कि भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए नर्सों का सशक्तिकरण अनिवार्य है।

नर्सिंग सेवा का विस्तार केवल चिकित्सालयों की दीवारों तक सीमित नहीं है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जो व्यक्ति के जन्म से लेकर जीवन के अंतिम क्षणों तक उसके साथ बनी रहती है। स्वास्थ्य प्रणाली में नर्सों की भूमिका एक सेतु के समान है जो चिकित्सक और रोगी के मध्य संवाद और उपचार को सुगम बनाती है। किसी भी आपदा या आपातकाल की स्थिति में नर्सें ही सबसे अग्रिम पंक्ति में खड़ी नजर आती हैं। यदि हम वैश्विक आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि स्वास्थ्य क्षेत्र के कुल कार्यबल का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा नर्सों और दाइयों का है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर नर्सों की भारी कमी देखी जा रही है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए लगभग 60 लाख अतिरिक्त नर्सों की आवश्यकता होगी। यह आंकड़ा हमें सचेत करता है कि यदि समय रहते इस क्षेत्र में निवेश नहीं किया

हाल के वर्षों में वैश्विक महामारी कोविड 19 ने संपूर्ण विश्व को नर्सों की वास्तविक शक्ति से परिचित कराया। जब पूरा विश्व भयभीत होकर घरों में बंद था तब नर्सें बिना अपनी जान की परवाह किए संक्रमित मरीजों की सेवा कर रही थीं। पीपीई किट पहनकर घंटों बिना भोजन और जल के काम करना उनके अदम्य साहस का परिचायक था। उस कठिन समय में नर्सों ने न केवल शारीरिक उपचार किया बल्कि एकांतवास में रह रहे मरीजों को मानसिक संबल भी प्रदान किया।

गया तो भविष्य में स्वास्थ्य प्रणालियाँ लड़खड़ा सकती हैं। भारत जैसे सघन जनसंख्या वाले देश में नर्सों का उत्तरदायित्व और भी अधिक बढ़ जाता है। भारतीय नर्सिंग परिषद के आंकड़ों के अनुसार देश में पंजीकृत नर्सों की संख्या लाखों में है परंतु प्रति 1000 जनसंख्या पर नर्सों की उपलब्धता अभी भी वैश्विक मानकों से कम है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है वहाँ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की पूरी जिम्मेदारी नर्सों के कंधों पर होती है। वे न केवल प्रसव संबंधी सेवाएं प्रदान करती हैं बल्कि टीकाकरण अभियानों, संक्रामक रोगों के नियंत्रण और पोषण संबंधी जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम करने के भारत के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में नर्सों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा है। वे समाज के सबसे निचले स्तर तक पहुँचकर स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाती हैं।

हाल के वर्षों में वैश्विक महामारी कोविड 19 ने संपूर्ण विश्व को नर्सों की वास्तविक शक्ति से परिचित कराया। जब पूरा विश्व भयभीत होकर घरों में बंद था तब नर्सें बिना अपनी जान की परवाह किए संक्रमित मरीजों की सेवा कर रही थीं। पीपीई किट पहनकर घंटों बिना भोजन और जल के काम करना उनके अदम्य साहस का परिचायक था। उस कठिन समय में नर्सों ने न केवल शारीरिक उपचार किया बल्कि एकांतवास में रह रहे मरीजों को मानसिक संबल भी प्रदान किया। कई नर्सों ने इस सेवा के दौरान अपने प्राणों की आहुति दे दी जो उनके व्यवसाय के प्रति सर्वोच्च बलिदान को दर्शाता है। इस महामारी ने यह पाठ पढ़ाया कि किसी भी देश की सुरक्षा केवल उसकी सीमाओं पर नहीं बल्कि उसके स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और उसके समर्पित स्वास्थ्य कर्मियों के हाथों में भी सुरक्षित है।

वर्तमान परिदृश्य में नर्सिंग के क्षेत्र में कई चुनौतियां भी विद्यमान हैं जिन्हें संबोधित करना अत्यंत आवश्यक है। नर्सों को अक्सर लंबे समय तक कार्य करना पड़ता है जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। कई स्थानों पर उन्हें उचित वेतन और सुविधाएं प्राप्त नहीं होती हैं। शिक्षा और तकनीक के विकास ने नर्सिंग के स्वरूप को भी बदला है। आज की नर्सें केवल सहायता प्रदान नहीं करतीं बल्कि वे आधुनिक चिकित्सा उपकरणों के संचालन, जटिल उपचार प्रक्रियाओं और शोध कार्यों में भी निपुण हैं। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और टेलीमेडिसिन के युग में नर्सों की भूमिका और भी तकनीकी हो गई है। वे डेटा प्रबंधन और रोगियों की निरंतर निगरानी के लिए उन्नत प्रणालियों का उपयोग कर रही हैं। नर्सिंग शिक्षा के पाठ्यक्रम को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है ताकि नर्सें किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य चुनौती का सामना करने में सक्षम हो सकें। शोध कार्यों में नर्सों की भागीदारी चिकित्सा के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने एक बार कहा था कि नर्सिंग एक कला है और यदि इसे कला बनाना है तो इसके लिए वैसी ही अनन्य भक्ति और कठोर तैयारी की आवश्यकता होती है जैसा कि किसी चित्रकार या मूर्तिकार के कार्य के लिए होती है। उनकी यह बात आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। आज की नर्सें न केवल उपचार करती हैं बल्कि वे मानवता की रक्षक भी हैं। 12 मई का यह दिन हमें उनके उन हजारों घंटों की याद दिलाता है जो उन्होंने दूसरों के दुखों को कम करने में बिताए हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि एक नर्स की मुस्कान और धैर्य कई बार सबसे महंगी औषधि से भी अधिक प्रभावी सिद्ध होता है। यह कहा जा सकता है कि नर्सिंग सेवा किसी भी राष्ट्र की स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ है। वर्ष 2026 में जब हम इस दिवस को मनाते हैं तो हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम नर्सों के सशक्तिकरण के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। हमें ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जो नर्सिंग क्षेत्र में आने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करें और वर्तमान नर्सों को उनकी योग्यता के अनुरूप सम्मान और स्थान दिलाएं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फुजैराह या यूएई से भारतीयों को निकालने की कोई योजना नहीं है: विदेश मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को उस खबर को खारिज किया जिसमें दावा किया गया था कि फुजैराह बंदरगाह के माध्यम से भारतीय श्रमिकों की निकासी को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) एक समझौते पर काम कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि इसका कोई आधार नहीं है और फुजैराह या यूएई से भारतीय नागरिकों को निकालने की कोई योजना नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह बात पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर यहां आयोजित एक अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान एक प्रमुख राष्ट्रीय दैनिक में प्रकाशित मीडिया की एक खबर के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में कही।

उन्होंने कहा, आपने एक विशेष समाचार का उल्लेख किया। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आप विदेश मंत्रालय के फैक्टचेक को भी देखें क्योंकि हमने इस संबंध में पहले ही स्पष्टीकरण जारी कर दिया है। ऐसी खबर का कोई आधार नहीं है। साथ ही, फुजैराह या संयुक्त अरब अमीरात से भारतीय नागरिकों को निकालने की कोई योजना नहीं है। इसलिए, कृपया हमारे द्वारा जारी किए गए स्पष्टीकरण को भी देखें।

क्रूज जहाजों पर बीमारी फैलने का खतरा अधिक क्यों?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लिमेरिक (आयरलैंड)। समुद्री क्रूज यात्राओं को आम तौर पर आरामदायक और विलासितापूर्ण छुट्टियों के रूप में प्रचारित किया जाता है, लेकिन सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए ये जहाज यह समझने का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं कि संक्रामक बीमारियां किस तरह तेजी से फैल सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, क्रूज जहाज अस्थायी तैरते शहरों की तरह होते हैं, जहां हजारों लोग कई दिन तक एक ही जगह पर रहते, खाते, घूमते और मनोरंजन करते हैं। रेस्तरां, थिएटर, लिफ्ट, केबिन, रसोईघर, जल प्रणाली और बंद सामुदायिक स्थान संक्रमण के प्रसार को आसान बना देते हैं। एक बार कोई संक्रमण जहाज पर पहुंच जाए तो उसे रोकना बेहद कठिन हो सकता है।

'डायमंड प्रिंसेस' जहाज से कोविड 19 का प्रसार इसका सबसे चर्चित उदाहरण माना जाता है। वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान 'डायमंड प्रिंसेस' जहाज पर 619 यात्री और चालक दल के सदस्य संक्रमित पाए गए थे। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि जहाज की परिस्थितियों ने कोरोना वायरस के प्रसार को तेज किया। हालांकि पृथकवास और अलगाव जैसे कदमों से संक्रमण को कुछ हद तक नियंत्रित किया गया, लेकिन अध्ययन में यह भी कहा गया कि यदि शुरुआती प्रतिक्रिया और तेज होती तो मामलों की संख्या और कम हो सकती थी।

विशेषज्ञों के अनुसार, क्रूज जहाजों से सबसे अधिक जुड़ी बीमारी नॉरोवायरस है, जिसे आम बोलचाल में वोमिटिंग बग भी कहा जाता है। पूर्व में प्रकाशित अध्ययनों की समीक्षा में शोधकर्ताओं को क्रूज जहाजों पर नॉरोवायरस संक्रमण के 127 मामले मिले। इनमें से कई मामले दूषित भोजन, संक्रमित सतहों और व्यक्ति से व्यक्ति में संक्रमण फैलने से जुड़े थे। अमेरिका से प्राप्त हालिया एक रिपोर्ट के अनुसार भी नॉरोवायरस जहाजों पर बहुत तेजी से फैल सकता है। यही कारण है कि 'सेलेब्रिटी मर्करी', 'एक्सप्लोरर ऑफ द सीज' और 'कार्निवल ट्रायम्फ' जैसे जहाज बीमारी फैलने की घटनाओं के संदर्भ में चर्चित रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जहाजों पर भोजन व्यवस्था संक्रमण फैलाने में बड़ी भूमिका निभाती है। बुफे शैली में भोजन परोसना, साझा बर्तनों का इस्तेमाल और बड़ी संख्या में लोगों का एक ही सतह को छूना पेट संबंधी संक्रमणों के प्रसार को आसान बना देता है। यदि कोई व्यक्ति संक्रमित है लेकिन उसमें अभी लक्षण दिखाई नहीं दे रहे, तो भी वह भोजन या सतहों को संक्रमित कर सकता है।

जहाज की बनावट भी इस समस्या को बढ़ाती है। यात्री भोजन कक्षों, बार, थिएटर, गलियारों, स्पा और लिफ्ट जैसे स्थानों पर लगातार एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं।

पूजा अर्चना

नई दिल्ली में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, मनजिंदर सिंह सिरसा और प्रवेश वर्मा के साथ गौरी शंकर मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

डिजाइनिंग की दुनिया में ईशा देओल की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ईशा देओल ने इंटीरियर डिजाइनिंग में 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' के साथ हाथ मिलाया है। यह उनके लिए एक नया और रोमांचक सफर है, जिसमें वह घरों की सुंदर डिजाइन और आधुनिक लिविंग स्टाइल से जुड़ेंगी। अभिनेत्री ने सोमवार को इसी प्रोजेक्ट से जुड़े आयोजन में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने अपने पिता को याद करते हुए बताया कि उनके पिता को डिजाइन और लैंडस्केप की दुनिया में गहरी दिलचस्पी थी। उन्होंने कहा, यह उत्साह और भावनाएं ठीक वैसी ही हैं जैसी मैंने साल 2000 में महसूस की थीं, जब मैं अपनी पहली फिल्म के लिए 'मुराद शॉट' दे रही थी और आज, 2026 में, जब मैं एक बिल्कुल नई भूमिका और एक नई यात्रा की शुरुआत कर रही हूं, तो भावनाएं लगभग वैसी ही हैं, लेकिन सबसे खूबसूरत बात यह है कि मैं यहां कई जाने-पहचाने चेहरे देख सकती हूं, जो उस समय भी मेरे साथ थे और आज भी हैं। यह मेरे लिए सचमुच बहुत मायने रखता है।

ईशा कहती हैं, इस यात्रा का जिक्र मेरे पिता धर्मेंद्र जी के बिना अधूरा ही रहेगा। हम दोनों ही डिज़ाइन्स के प्रति गहरी रुचि रखा करते थे और हमारे बीच का वह खास रिश्ता आज भी मेरे साथ है। पापा और मैं अक्सर अलग-अलग तरह के लैंडस्केप, घरों और साधारण जगहों की डिज़ाइन पर चर्चा किया करते थे और वह हमेशा मुझसे कहते थे, 'लगी रहो, करती रहो।' ये शब्द आज भी मेरे साथ हैं और मुझे राह दिखाते हैं। मेरी रचनात्मकता पर उनके भरोसे ने ही मुझे आज पूरी लगन से इस काम को आगे बढ़ाने की हिम्मत दी है।

अभिनेत्री ने आगे बातचीत में बताया कि उनकी कंपनी का 'लालटेन वाला लोगो' अभिनेता धर्मेंद्र ने ही डिजाइन किया था। उन्होंने इसे अपने पिता का आशीर्वाद मानते हुए कहा, यह एक तोहफा था जो उन्होंने मुझे दिया था। उन्हें लोगो डिजाइन करना बेहद पसंद था, तो आप समझ ही सकते हैं कि यह मेरे लिए महज एक प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उनकी ही रोशनी है, जिसे मैं आगे बढ़ा रही हूं।

ईशा ने आगे अपने पार्टनर अभिनंदन लोढ़ा को अपने साथ जोड़ने के लिए धन्यवाद अदा किया। अभिनेत्री ने लिखा, मैं आज यहां इसलिए हूं क्योंकि मिस्टर अभिनंदन लोढ़ा यहां हैं। वह एक बहुत ही बेहतरीन इंसान हैं, जिनकी आत्मा बहुत ही विनम्र है। उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे इतना शानदार मौका दिया - यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है और मैं उन्हें और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद देना चाहती हूं। आज हमारे साथ 'हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' से सैम, श्वेता और महेश जी मौजूद हैं। मैं 'हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' के साथ जुड़कर बहुत उत्साहित हूं।

नेहा धूपिया ने वृंदावन के मंदिरों में टेका मत्था, यमुना सफाई में भी हुईं शामिल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री नेहा धूपिया हाल ही में वृंदावन घूमने पहुंचीं। इस दौरान वह पूरी तरह से भक्ति के रंग में डूबी नजर आईं। शनिवार को अभिनेत्री ने अपनी यात्रा की कुछ झलक सोशल मीडिया पर दिखाई। उन्होंने इस धार्मिक अवसर के लिए लाल रंग के सुंदर पारंपरिक परिधान को चुना, जिसमें वे बेहद सौम्य और शालीन दिख रही थीं। नेहा ने वृंदावन के विभिन्न ऐतिहासिक और पौराणिक मंदिरों के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। नेहा अपनी इस यात्रा में केवल दर्शन तक सीमित नहीं रही, बल्कि पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए यमुना सफाई अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने नदी के घाटों पर श्रमदान किया और कूड़ा साफ किया।

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर लिखा, वृंदावन से पहला बुलावा आया यमुना जी सफाई अभियान, जिसकी हम उम्मीद करते हैं कि हमारे जाने के बाद भी जारी रहेगा। इस अद्भुत ऊर्जा के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मान्यता है कि भगवान कृष्ण ने अपना बचपन वृंदावन की इन्हीं गलियों और कुंजों में बिताया था।

धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस शहर में कृष्ण और राधारानी को समर्पित लगभग 5,500 छोटे-बड़े मंदिर स्थित हैं, जो इसे दुनिया के सबसे पवित्र वैष्णव तीर्थों में से एक बनाते हैं। इन मंदिरों में बांके बिहारी, प्रेम मंदिर, इस्कॉन और राधारमण जैसे प्रमुख मंदिर शामिल हैं, जहां सालभर भक्तों का तांता लगा रहता है। नेहा धूपिया के लिए 2026 काफी मजेदार होने वाला है। अभी हाल ही में वे सिंगल पापा में एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। इसके अलावा वे अंतरराष्ट्रीय फिल्म 52 ब्लू से हॉलीवुड में कदम रख रही हैं, जिसका ट्रेलर 15 अप्रैल 2026 को रिलीज किया गया था। यह एक भावनात्मक प्रवासी नाटक है, जिसमें नेहा ने एक साधारण लुक अपनाया है।

डुग-डुग : राजस्थानी सिनेमा की नई उड़ान, लोक आस्था और अंधविश्वास की अनोखी जंग

जयपुर/एजेन्सी

जयपुर के युवा निर्देशक ऋत्विक पारीक की राजस्थानी फिल्म डुगडुग शुक्रवार को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। लंबे समय बाद किसी राजस्थानी फिल्म के बड़े स्तर पर प्रदर्शन से दर्शकों में उत्साह नजर आया। फिल्म को राजस्थान सहित देश-विदेश में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। दर्शकों ने फिल्म की पटकथा, अभिनय, संवाद शैली और ग्रामीण परिवेश के चित्रण की सराहना की। फिल्म इससे पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना चुकी है। टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सम्मान प्राप्त कर चुकी यह फिल्म राजस्थान की लोक आस्था, सामाजिक मनोविज्ञान और अंधविश्वास जैसे विषयों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करती है। कहानी जयपुर के समीप एक गांव की है, जहां एक दुर्घटना के बाद रहस्यमय घटनाओं का सिलसिला शुरू होता है और गांव वाले उसे चमत्कार मानने लगते हैं।

फिल्म में दिखाया गया है कि किस प्रकार साधारण घटनाएं धीरे-धीरे सामूहिक आस्था का रूप ले लेती हैं। फिल्म में योगेंद्र सिंह परमार, अल्ताफ खान, दुर्गालाल सैनी, प्रियंका खांडेकर, हेमंत शर्मा, अनिल भागवत और मोहन शर्मा ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। स्थानीय कलाकारों की भागीदारी और जयपुर की ग्रामीण बोली के प्रयोग ने फिल्म को और अधिक प्रामाणिक बनाया है।

जमवारामगढ़ और आमेर क्षेत्र में फिल्माए गए दृश्य भी दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। ग्रामीण राजस्थान के परिवेश को फिल्म में वास्तविकता के साथ प्रस्तुत किया गया है। करीब पांच वर्षों बाद रिलीज हुई इस फिल्म को राजस्थानी सिनेमा के लिए सकारात्मक पहल माना जा रहा है। फिल्म यह संकेत देती है कि अब क्षेत्रीय सिनेमा सामाजिक और वैचारिक विषयों को भी प्रभावी ढंग से दर्शकों तक पहुंचा रहा है।

संबोधन

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सोमवार को हावड़ा के नबन्ना में कैबिनेट मीटिंग के बाद दूसरे मंत्रियों के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए।

विरोध

झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी सोमवार को झारखंड के धनबाद जिले में पानी और बिजली की समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए।

ईमानदारी से काम किया तो मुश्किलें अपने आप दूर हो जाती हैं : अद्रिजा रॉय

मुंबई/एजेन्सी

लोकप्रिय टीवी शो 'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रही अभिनेत्री अद्रिजा रॉय को उनके इस किरदार में काफी पसंद किया जा रहा है। इस बीच अभिनेत्री ने काम को लेकर अपने विचार प्रशंसकों के सामने रखी। अद्रिजा का स्पष्ट मानना है कि ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ अगर आप पूरी लगन से अपना काम करते हैं तो राह में आने वाली मुश्किलें और बाधाएं अपने आप दूर हो जाती हैं। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अद्रिजा रॉय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि टीवी शो 'अनुपमा' में उनकी एंट्री के बावजूद वे हमेशा से जानती थीं कि यह शो रूपाली गांगुली के किरदार 'अनुपमा' के इर्द-गिर्द घूमता है। उन्होंने कहा, ''जब मुझे नई पीढ़ी के लीप के लिए संपर्क किया गया तो मैं बेहद उत्साहित थी। 'अनुपमा' अपने आप में एक ब्रांड है। इतने बड़े और सफल शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है। मुझे जो भूमिका और जगह दी गई, उससे मैं पूरी तरह संतुष्ट और खुश हूं।'' वे मानती हैं कि सफलता की राह में चुनौतियां आती हैं, लेकिन सही मंशा और मेहनत के साथ हर मुश्किल आसान हो जाती है। उन्होंने बताया कि वह शोहरत, टीआरपी या रैंकिंग की बजाय अपने काम और परफॉर्मेंस पर पूरा ध्यान देती हैं। अद्रिजा ने बताया, ''मेरा हमेशा से मानना है कि ईमानदारी से अपना काम किया जाए तो राह में आने वाली मुश्किलें अपने आप ठीक हो जाती हैं।

अभिनेत्री ने 'अनुपमा' के प्रोड्यूसर राजन शाही की तारीफ करते हुए कहा कि वह सेट पर हर एक्टर को यही सलाह देते हैं कि टीआरपी या रेटिंग के बारे में न सोचें, बस अपनी परफॉर्मेंस पर ध्यान दें। अद्रिजा भी इसी विचार से सहमत हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बाहरी दबाव या तनाव को ज्यादा प्रभावित नहीं होने देती। हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हूं।''

एक्ट्रेस का यह भी मानना है कि उनमें और शो के उनके किरदार में कई समानताएं हैं। उन्होंने बताया, मुझमें और राही में निश्चित रूप से कई समानताएं हैं, खासकर सकारात्मक नजरिए से। कहानी में कुछ स्थितियां पूरी तरह से नाटकीय प्रभाव के लिए लिखी गई हैं, जिन्हें हम एक्टर के तौर पर निभाते हैं। निजी तौर पर, हो सकता है कि मैं हमेशा हर काम से खुद को जोड़ न पाऊं। लेकिन जब भी राही शो में भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया देती है, खासकर उन दृश्यों में जिनमें उसकी मां शामिल होती है, तो मैं उसके नजरिए को समझने की कोशिश करती हूं। कभी-कभी दर्शकों को लग सकता है कि वह गलत है, लेकिन उसके नजरिए से उसकी भावनाएं सही हैं। एक एक्टर के तौर पर, जब मैं किसी दृश्य के पीछे के तर्क और भावनात्मक सच्चाई को समझ लेती हूं, तो उसे ईमानदारी से निभाना आसान हो जाता है।

इम्तियाज अली के निर्देशन में निखरीं शरवरी वाघ

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'क्या कमाल है' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री 'जिया' नाम का एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया गाना 'मस्कारा' रिलीज हुआ है, जिसमें शरवरी का अंदाज पुराने दौर की बॉलीवुड हीरोइनों के रोमांस की याद दिला रहा है। शरवरी ने इंस्टाग्राम पर गाने की शूटिंग के बीटीएस पल शेयर किए। इस पोस्ट में शरवरी ने इम्तियाज अली के साथ अपने काम करने के अनुभव को बयां करते हुए लिखा, इम्तियाज अली सर और मैं इस एहसास को 'किस-मिस यारा' कहते थे। यह एक मजेदार बनाया गया शब्द है, जो पहली बार प्यार में पड़ने वाली उस मीठी और हल्की सी गुदगुदाहट को महसूस कराता है। अभिनेत्री ने आगे लिखा, मेरा किरदार 'जिया' अपनी जिंदगी में कई बार इसी 'किस-मिस' वाले एहसास से गुजरती है। गाने में मेरा नटखट और शरारती अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। शरवरी ने अपनी पोस्ट में इम्तियाज अली की जमकर तारीफ की।

उन्होंने बताया कि किस तरह निर्देशक ने उन्हें अपनी परफॉर्मेंस की उन बारीकियों को समझने में मदद की, जिनसे वह खुद भी अनजान थीं। उन्होंने लिखा, मैंने सिर्फ आपको देखकर ही भावनाओं और कहानी कहने के तरीके के बारे में बहुत कुछ सीखा है। मुझ पर भरोसा करने और हर पल मेरा मार्गदर्शन करने के लिए मैं आपकी हमेशा आभारी रहूंगी। 'मस्कारा' गाने में शरवरी का लुक काफी क्लासी रखा गया है। गाने में उनका नटखट और शरारती अंदाज भी देखने को मिलता है। 'मस्कारा' गाना अपनी रोमांटिक धुन और शानदार केमिस्ट्री के लिए सोशल मीडिया पर छा गया है। इस गाने को वेदांग रैना और नीलांजना घोष दस्तीदार ने अपनी आवाज दी है। इसका संगीत दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान ने दिया है, जबकि बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। गाने के वीडियो में वेदांग रैना और शरवरी वाघ की जोड़ी नजर आ रही है, जिनकी मासूम प्रेम कहानी और केमिस्ट्री को काफी पसंद किया जा रहा है।

जिसके जीवन में गुरु नहीं, उसका जीवन शुरू नहीं : राष्ट्रसंतश्री कमलमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विल्सन गार्डन जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश के सान्निध्य में सोमवार को महासति चन्दनाजी की स्मृति में गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में राष्ट्रसंत कमलेशजी ने कहा कि संत आध्यात्मिक संस्कृति का प्राण, संस्कारों का भंडार और संस्कृति की रक्षा के लिए सजक प्रहरी की भांति होता है। आत्मा के ज्ञान और शक्ति को गुरु के माध्यम से ही जागृत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विश्व की संपूर्ण संपत्ति दान देकर भी एक संत का निर्माण नहीं किया जा सकता है, यह विज्ञान और सरकार के वश की बात भी नहीं है। जिसके जीवन में गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं होता है। आज का विज्ञान भी ऋषि मुनियों की ज्ञान के आधार पर ही खोज कर रहा है। विश्व गुरु का सौभाग्य भी हिंदुस्तान को जो मिला है वह गुरुओं की देन है। गुरु को अनदेखा करना साक्षात परमात्मा का अपमान करने के समान है। राष्ट्रसंत ने कहा कि जिसकी निगाहों में मिट्टी और सोना दोनों समान होता है वही सच्चा संत कहलाता है। जो अभिशाप के बदले आशीर्वाद प्रदान करें, निस्वार्थ भाव से साधना और परमार्थ करें वहीं संत होता है। भौतिकवाद के माहौल में हजारों तपस्वी संतों का निर्माण होना यह आध्यात्मिक शक्ति का सबसे बड़ा चमत्कार है। कमलमुनिजी ने कहा कि महासती चंदनाजी ने दीक्षा लेकर मौसम की परवाह न करते हुए पद विहार करते हुए घर-घर, गांव-गांव जाकर आध्यात्मिक ज्ञान के दीप जलाए। साध्वीश्री ने नशा मुक्ति, नारी उत्थान, हिंसा, अंधविश्वास, रूढ़िवाद के खिलाफ क्रांति करते हुए सन्मार्ग प्रदान किया। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाना, रमेश खाबिया, प्रवीण कटारिया, मनीष खिंवेसरा, सज्जन बोहरा, गौतम मकाना ने साध्वीश्री चंदनाजी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

तेयुप विजयनगर ने युवालोक कार्यालय का शुभारंभ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा परिषद कार्यालय युवालोक का शुभारंभ मागड़ी रोड स्थित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर परिसर में जैन संस्कार विधि से हुआ।

अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत ने रिबन खोलकर एवं द्वार पर स्वस्तिक अंकन कर कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर तेरापंथ महासभा के उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा, टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत माण्डोत, अभातेयुप संगठनमंत्री रोहित कोठारी, अणुविभा संगठन मंत्री राजेश चावत, विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर सहित सभा, तेयुप के अनेक सदस्यों ने शुभकामनाएं दी।

तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष विकास बांठिया ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया।

गीत, ग़ज़ल, कविताओं का संगम रही 'शब्द' की काव्य संध्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रसिद्ध साहित्य संस्था 'शब्द' की गत रविवार को आयोजित मासिक काव्य संध्या मनभावन गीतों, गज़लों, कविताओं, हास्य एवं व्यंग्य की रसधार से सराबोर रही। वरिष्ठ कवयित्री रचना उनियाल की अध्यक्षता में आयोजित काव्य संध्या का आगाज वरिष्ठ गीतकार मंजु गुप्ता लता की सुमधुर सरस्वती वंदन से हुआ। उन्होंने शुरुआत में जो समा बाँधा, उसे अपने ही मनभावन गीतों से परवान चढ़ाया। काव्य संध्या में विशिष्ट अतिथि अजमेर के कवि रासबिहारी गौड़ थे। उनके उम्दा हास्य और व्यंग्य ने श्रोताओं को देर तक लोटपोट किए रखा। 'शब्द' की कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट, कवयित्री गीता चौबे गूंज और ऋता शेखर मधु के गीत भी श्रोताओं ने खूब सराहे। 'शब्द' की सचिव उषा रानी राव की कविता के विचार और बिम्ब की भी श्रोताओं ने सराहना की। पंडित राजगुरु की ओजस्वी प्रस्तुति, रमाकांत गुप्ता का हास्य और 'शब्द' के कार्यक्रम संयोजक श्रीकात शर्मा के देसी गीत भी प्रभावी थे। नमिता सिन्हा, उषा गुप्ता, श्रीप्रकाश यादव और श्रीनारायण समीर की कविताएँ माँ पर केंद्रित थीं। रचना उनियाल ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में गोष्ठी में सुनायी गयी कविताओं के विचार, हास्य और रोमान की प्रशंसा की। उनका सस्वर काव्य पाठ भी सराहनीय था।

काव्य संध्या के आरंभ में 'शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने उपस्थितजन का स्वागत करते हुए कहा कि कविता में अंतर्वस्तु और अभिव्यंजना महत्त्वपूर्ण होती हैं। इसी से कविता में लोकमंगल के भाव और रस का आस्वादन सुनिश्चित होता है। कार्यक्रम का संचालन उषारानी राव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन श्रीकांत शर्मा ने।

हनुमंतनगर में 'अपना पंथ-अपनी पहचान' नामक कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में शनिवार को साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में 'अपना पंथ-अपनी पहचान' नामक कार्यशाला हनुमंतनगर स्थित तेरापंथ भवन में किया गया। सभा के अध्यक्ष गौतम दक ने मंगलाचरण किया। तेयुप के अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। साध्वी पावनप्रभाजी ने कहा कि भगवान महावीर का पंथ तेरा है, इस तेरापंथ को आचार्यश्री भिक्षु ने मेरा पंथ बनाने के लिए एक नई दृष्टि प्रदान की। उन्होंने आगमों का मंथन कर नवनीत निकाला वह हमारे लिए पथदर्शक बन गया। उन्होंने प्रयास किया कि हम अपनी पहचान बनाए रखें। साध्वीश्री ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हमें आचार्य भिक्षु का नंदनवन मिला, हम उनके सिद्धांतों को समय से और उनका पालन करते रहे।

साध्वी रम्यप्रभाजी ने कहा कि जैन धर्म में जन्म लेने से कोई जैन नहीं होता अपितु जैन सिद्धांतों को जीवन में जीने से व्यक्ति जैन बनता है। इस अवसर पर हनुमंतनगर सभा, महिला मंडल,युवक परिषद, किशोर मंडल, कन्या मंडल के सदस्यों की उपस्थिति थी।

ज्ञान हमें रास्ता दिखाता है और त्याग हमें मोक्ष तक ले जाता है : संतश्री समकितमुनि

पुष्कर भवन में अष्ट दिवसीय 'समकित संस्कार शिविर' सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में 'बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026' के तत्वावधान में आयोजित अष्ट दिवसीय आवासीय 'समकित संस्कार शिविर' का रविवार को समापन हुआ। आठ दिनों तक चले ज्ञान और संस्कारों के इस महाकुंभ में देशभर से आए सैकड़ों बच्चों ने जीवन जीने की कला सीखी। समापन समारोह में आयोजित सभा में सान्निध्यता प्रदान कर रहे गुरुदेवश्री डॉ. समकितमुनिजी ने 'ज्ञान' और 'त्याग' के मर्म को समझाते हुए एक अत्यंत मार्मिक और प्रभावी उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि इस संसार में 'ज्ञान' वह दिव्य प्रकाश है जो अज्ञानता के घोर अंधकार में हमें सही मार्ग दिखाता है। ज्ञान हमें भटकाव से बचाता है, लेकिन उस मार्ग पर चलकर परम शांति तक पहुंचने का एकमात्र साधन 'त्याग' है। ज्ञान हमें रास्ता दिखाता है और त्याग हमें मोक्ष तक ले जाता है। गुरुदेव ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने इन आठ दिनों में जो कुछ भी सीखा है, वह ज्ञान है, अब जीवन में बुराइयों का, व्यसनों का और दुर्गुणों का त्याग करके उन्हें उस ज्ञान को सार्थक बनाना है। ङ्गइस आयोजन में साध्वीश्री सत्यप्रभाजी सहित अन्य साध्वियां भी उपस्थित थीं। समारोह में साध्वीश्री सुमंगलप्रभाजी ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि इन आठ दिनों में आपने देव, गुरु, धर्म और जीवन जीने की जो उत्कृष्ट कला सीखी है, वह केवल आपकी कॉपियों या डायरियों में बंद होकर नहीं रहनी चाहिए। असली सफलता तब है जब यह सारा ज्ञान आपके व्यवहार और आपके 'आचरण' में उतर जाए। यहां से जो संस्कार आप लेकर जा रहे हैं, वे आपके पूरे जीवन भर आपके साथ एक सच्चे मित्र की तरह चलने चाहिए। साध्वी सिद्धमश्री ने गीतिका के माध्यम से बच्चों का उत्साह बढ़ाया और 'जीरो वेस्टेज' का अमूल्य उपदेश दिया। उन्होंने बच्चों को अन्न का आदर करना सिखाते हुए कहा कि हमारी थाली तक पहुंचने वाले भोजन के एक-एक दाने के पीछे किसान के पसीने से लेकर अनेक लोगों का कठोर श्रम जुड़ा होता है। जब हम अपनी थाली में जूठन छोड़ते हैं, तो हम केवल अन्न का ही नहीं, बल्कि उन सैकड़ों लोगों के पसीने और श्रम का अपमान करते हैं। साध्वी जी ने सभी बच्चों को यह दृढ़ संकल्प दिलाया कि वे जीवन में कभी भी अपनी थाली में भोजन व्यर्थ नहीं छोड़ेंगे। मुनि जयवंतमुनि ने अपने सुमधुर स्वरों में एक अत्यंत जोशीली गीतिका प्रस्तुत की।

इस शिविर में 18 श्रावक परिवारों ने लाभार्थी के रूप में अपना विशेष सहयोग प्रदान किया। चातुर्मास समिति के चेयरमैन रायचंद छाजेड़, प्रकाश बेताला एवं अशोक रांका, शिविर के संयोजक शांतिलाल भंडारी एवं रमेश सिसोदिया व उनकी टीम ने व्यवस्था संभाली।

चातुर्मास समिति के गुलाबचंद पगारिया, राजेंद्र मरलेचा, महेंद्र मेहता, नेमीचंद दलाल, जंबुकुमार दुगड़, नरेंद्र दुधेड़िया, मनोहर धारीवाल , इंदर रांका, गुरु ज्येष्ठ पुष्कर भवन के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, महामंत्री महावीरचंद मेहता, लालचंद छिंगावत व अन्य महिला, युवा सदस्य, जैन कॉन्फ्रेंस युवा टीम, आयोजकगण, शिक्षकों की उपस्थिति ने समापन समारोह को भव्य बना दिया। शिविर संयोजक शांतिलाल भंडारी एवं रमेश सिसोदिया ने सभी अतिथियों व सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संचालन लालचंद छिंगावत ने किया।

बीजेएस ने मातृ दिवस पर सदस्यों की माताओं का सम्मान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जैन संगठन(बीजेएस) मैसूरु इकाई के मुख्य शाखा, लेडीज विंग और यूथ विंग के सदस्यों ने रविवार को एक होटल में मदर्स डे के उपलक्ष्य में सदस्यों की माताओं का सम्मान करके मातृ दिवस मनाया। अध्यक्ष राजन बाघमार ने सभी का स्वागत किया। मातृ दिवस के उपलक्ष्य में माँ को सहनशीलता, ज्ञान, प्रशासन, संस्कृति और हर बच्चे के लिए रीढ़ की हड्डी वाली शक्ति बताया गया। महिला विंग की चेयरपर्सन शर्मिला धोका ने माँ को एक दिव्य उपहार के रूप में भेजने के लिए भगवान को धन्यवाद दिया। कर्नाटक राज्य के महासचिव प्रकाश गुलेचा, क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखराज विनायकिया सहित अनेक पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी माताओं का सम्मान किया। महावीर मुथा, उषा गांधी, अशोक सालेचा ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। उपाध्यक्ष अमित चौहान ने धन्यवाद दिया।

ब्यावर युवा लेडीज विंग ने 'मातृ दिवस' मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय ब्यावर संघ लेडीज विंग द्वारा मां को समर्पित मातृ दिवस कार्यक्रम 'ममता के मोती' आदर्श कालेज ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संघ के अनेक बच्चों ने अपनी माताओं के संग मनमोहक प्रस्तुतियां दीं ।इस मौके पर उपस्थित सभी माताओं को सम्मान स्वरूप उपहार दिए गए। संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी मातृ शक्ति को वंदन करते हुए सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संयोजन जिया हिंगड़ और मोनिका कुमट ने किया। संघ के महामंत्री रूपचंद कुमट, युवा शाखा के अध्यक्ष कुलदीप छाजेड़, संघ के पूर्व महामंत्री अरविंद कोठारी ने मदर्स डे की शुभकामनाएं दी। कनकमल मनोजकुमार भंसाली परिवार के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में संघ के उपाध्यक्ष बहादुर कांकरिया, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, सहमंत्री विनय राठौड़, युवा शाखा के उपाध्यक्ष नरेश बोहरा, विकास खटोड़, महामंत्री चेतन रेदासनी, सहमंत्री भरत कोठारी, सह कोषाध्यक्ष कुणाल मरलेचा के साथ ब्यावर संघ, युवा शाखा और लेडीज विंग के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

'आई जैन-माई जैन' नामक बालिका आवासीय शिक्षण शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आरोग्य बोहि लाभम, अखिल भारतीय साधुमार्गी जैन संघ, बीकानेर के निर्देशन में साधुमार्गी जैन संघ द्वारा कोरमंगला स्थित सिपानी भवन में 'आई जैन-माई जैन' नामक छह दिवसीय बालिका आवासीय शिक्षण शिविर का समापन शुक्रवार को आचार्यश्री रामेशजी की शिष्या साध्वी स्वागतश्रीजी, भाविताश्रीजी, प्रणामश्रीजी, निर्ग्रन्थश्रीजी के सान्निध्य में हुआ। इस शिविर में शहर के विभिन्न उपनगरों से करीबन 65 बालिकाओं ने भाग लिया तथा जीवन में आ रहे संघर्षों का सामना करना, सम्यकदर्शन का ज्ञान और आठ कर्मों का विवेचन आदि आध्यात्मिक विषयों पर अध्ययन किया। शिविर समापन के मौके पर विदेहमुनिजी व साध्वी अर्चनाश्रीजी उपस्थित हुई। शिविर में बच्चों को अध्ययन करवाया गया। महिला मंडल की सदस्याओं ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। शिविर को मूर्तरूप प्रदान करने वाले किशोर कर्नावट, साधुमार्गी जैन संघ के संरक्षक कमल सिपानी, अध्यक्ष गोपाल खिंवेसरा, शिखर सदस्य विमल सिपानी, युवा संघ के अध्यक्ष हर्षुल सोनी सहित अनेक लोग उपस्थित थे। शिविर समापन में शिविरार्थियों बालिकाओं ने आवासीय शिविर में सीखे ज्ञान की प्रस्तुति दी। सभी शिविरार्थियों को पुरस्कार दिए गए। शिविर में साधुमार्गी जैन संघ, समता महिला मण्डल, समता युवा संघ, बालिका मण्डल आदि का सहयोग रहा।

कांठा प्रांत की महिला स्पेशल बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों की हुई नीलामी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा महिला स्पेशल 'सिंपल कोठारी कप बैडमिंटन प्रतियोगिता' के खिलाड़ियों की नीलामी का आयोजन राजाजीनगर स्थित आदिश्वर कार्यालय में किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचन्द कोठारी ने सभी का स्वागत किया।

महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने प्रतियोगिता की विशेषता बताते हुए कहा कि आयोजन में प्रायोजक, खिलाड़ी, टीम लीडर, संचालक, नीलामीकर्ता, रेफरी, दर्शकों इत्यादि में केवल महिलाओं की भागीदारी रहेगी। टीम मेंटर व नीलामीकर्ता पूजा गुगलिया ने संचालन करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल खेल तक सीमित नहीं, बल्कि महिलाओं की संगठन क्षमता, नेतृत्व और सामाजिक सहभागिता का भी सशक्त उदाहरण बनेगा। ङ्गप्रतियोगिता संयोजक अमित कोठारी ने बताया कि निमिशा टपरावत टीम पॉवर प्ले गर्ल्स, प्रिशा कटारिया टीम रेली रेबेल्स, लीना भलगट टीम शक्ति स्ट्राइकर्स, तृथि गांधी टीम शटल वारियर्स, पूजा गुगलिया टीम स्टोर्म स्मैशर्स एवं जीनल गुगलिया टीम दि रैली रूलर्स का नेतृत्व करेगी। सह संयोजक शेखर चाणोदिया ने सभी प्रायोजकों के प्रति आभार जताया। सह संयोजक महेंद्र खिवेसरा व चेतन कटारिया ने बताया कि पंजीकृत हुए 102 महिला खिलाड़ियों को नीलामी द्वारा 6 टीमों में बांटा गया तथा आने वाली 24 मई को सेंट्रल कॉलेज ग्राउंड में राउंड रोबिन आधार पर मैच खेले जाएंगे। इस अवसर पर संघ व विजयनगर मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

केरल में मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर का तंज

तिरुवनंतपुरम। केरल में अगले मुख्यमंत्री के नाम को लेकर जारी खींचतान के बीच भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कांग्रेस पर तंज कसा जिससे राज्य के शीर्ष पद के तीन दावेदारों में से एक के.सी. वेणुगोपाल को लेकर अटकलें तेज हो गईं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक उपयोगकर्ता ने व्यंग्यात्मक लहजे में लिखा कि भाजपा की केरल इकाई वेणुगोपाल को राज्य में चाहती है, जबकि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व उन्हें नयी दिल्ली में देखना चाहता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रशेखर ने लिखा, ''मेरा जवाब यह है कि मैं इसे न तो इसकी पुष्टि करूंगा और न ही इनकार करूंगा।''

भाजपा नेता द्वारा साझा की गई पोस्ट में, मुख्यमंत्री पद के संबंध में निर्णय में लगातार देरी को लेकर कटाक्ष किया गया है। मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदारों में वी.डी. सतीशन, रमेश चेन्निथला और वेणुगोपाल शामिल हैं। पोस्ट में कहा गया, ''केरल की भाजपा इकाई और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के बीच मजेदार कड़ा मुकाबला हो रहा है।

क्रिकेट प्रतियोगिता :

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तवरेकेरे खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट स्पर्धा 'जैगुवार कप-2026' का आयोजन किया गया जिसमें शहर के अनेक क्रिकेट खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन करते हुए कहा खेल व्यक्ति को अनुशासित बनाता है। कोई भी खेल हमेशा खेलभावना के साथ खेलना चाहिए। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**